CBSE Class 12 Hindi Core Question Paper 2023 with Solution PDF-Set 2/4/1

Question Paper with Solutions

Conducted by the Central Board of Secondary Education (CBSE)

निर्धारित समय: 3 Hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश

(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 13 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
(ii) प्रश्न 2 में आंतरिक विकल्प दिया गया है; ऐसे प्रश्नों में केवल एक विकल्प का उत्तर दीजिए।
(iii) प्रश्नों में दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए उत्तर लिखिए।
(iv) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दर्शाए गए हैं।

1. वायु की गुणवत्ता में सुधार के लिए तुरंत कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। प्राय: प्रदूषण बढ़ने के बाद ही हम कार्यवाही के लिए लालायित होते हैं, जबकि प्रदूषण बढ़ने से पहले ही हमें सक्रिय हो जाना चाहिए। मौसम और वायु प्रदूषण एक-दूसरे से जुड़े हैं। हवा की गति कम हो, तो प्रदूषक तत्त्व बढ़ जाते हैं और हवा की गति जब ज्यादा होती है, तो बेहद खराब-से-खराब हवा भी बेहतर होने लगती है। समय विशेष में किसी खास दिशा से हवा नमी, धूल या प्रदूषकों को साथ ला सकती है। कुछ वायु प्रदूषक जमीन की सतह के आसपास होते हैं और बहुत ऊँचाई तक पहुँचे प्रदूषक मौसम को भी प्रभावित करते हैं।

जमीन से उठी गैसें, रासायनिक कण वायुमंडल में पहुँचकर अनेक बार नुकसानदेह प्रदूषणकारी बन सकते हैं, यदि वे लंबे समय तक वायुमंडल में बने रहे। अत: यदि अभी प्रदूषण वायुमंडल में पहुँचना रुक भी जाए, तो भी मौजूदा प्रदूषण अगले कई सालों तक असरकारी रहेंगे। वायु प्रदूषण की एक सच्चाई यह भी है कि एक जगह का प्रदूषण दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँच जाता है। हवा साफ हो, तो कहीं-से-कहीं पहुँचे, चिंता की बात नहीं। हवा यदि प्रदूषण का भार लिए हुए है, तो चिंता का कारण है। हवा को प्रदूषकों का भार न ढोना पड़े, इसके साझा प्रयास किए जाने चाहिए। इसके लिए नवाचारी टेक्नोलॉजी और पद्धतियों के अनुसंधान पर काम करना ही होगा।

जगह-जगह भवनों या अन्य ढाँचागत निर्माण से खुली जगह में जो कमी आ रही है, उससे स्थानीय स्तर पर वायु-प्रवाह में दिक्कत हो रही है। इससे भी प्रदूषण आसपास ही मँडराता रहता है। जीवाश्म ईंधन जलाने से या औद्योगिक प्रदूषणों से कार्बन, सल्फर या नाइट्रोजन के ऑक्साइड जब वायुमंडल में पहुँचे, तो जल और जल का जो भी प्रारूप होगा, वह हिमपात हो या ओस हो तेजाबी हो सकता है। निस्संदेह बरसात के बाद हवा तो साफ लगेगी लेकिन प्रदूषित जल से पेड़ों की जड़ें और उनको जमीन से मिलने वाले पोषक तत्त्व दुष्प्रभावित हो सकते हैं। तालाबों, नदियों के जलचर पीड़ित हो सकते हैं। कुछ प्रदूषक पत्तियों पर ऐसे बैठ जाएँ, जो पेड़ों के लिए हानिकारक हों।

बरसात की जरूरत अब खेती, जलाशयों के लिए ही नहीं, दमघोंटू धुंध के प्रदूषण से निजात पाने के लिए भी हो गई हैं। कृत्रिम बरसात का विकल्प भी कुछ जिम्मेदार संस्थाएँ देने लगी हैं। वायुमंडलीय प्रदूषण में सुधार हेतु हमें सावधान होने की जरूरत है। [10 अंक]

1(i). वायु की गुणवत्ता से क्या अभिप्राय है ? [1 अंक]

(A) वायु के प्रदूषक तत्त्व

(B) वायु की स्थिति

(C) वायु के बहने की गति

(D) वायु की शुद्धता

सही उत्तर: (D) वायु की शुद्धता

हल:

अवधारणा:

- प्रसंग के अनुसार शब्द का सटीक अर्थ पहचानना।
- उत्तर के लिए गद्यांश की संबंधित पंक्तियों का प्रमाण लेकर विकल्पों की तुलना करना।

चरण 1: गद्यांश से प्रमाण पहचानें गद्यांश का आरंभ वायु की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता से होता है। आगे प्रदूषक तत्त्वों को घटाने और हवा को साफ रखने की चर्चा है। इसलिए यहाँ गुणवत्ता का संबंध हवा के स्वच्छ और शुद्ध होने से है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें विकल्प (A) प्रदूषण के कारकों को बताता है, गुणवत्ता का अर्थ नहीं। विकल्प (B) स्थिति बहुत व्यापक और अस्पष्ट है। विकल्प (C) हवा की गति बताता है, जबकि गति और गुणवत्ता अलग बातें हैं। प्रसंग में सबसे सटीक अर्थ शुद्धता है।

चरण 3: निष्कर्ष वायु की शुद्धता। अत: सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: किसी शब्द का अर्थ चुनते समय उससे पहले और बाद की पंक्तियों में आए विचारों से उसका अर्थ मिलाएँ।

1(ii). 'प्रदूषण बढ़ने के बाद ही हम कार्यवाही के लिए लालायित होते हैं।' — पंक्ति मानवीय स्वभाव की किस विशेषता का उल्लेख करती है ? [1 अंक]

(A) प्रदूषण बढ़ने पर हम चिंतित होने लगते हैं।

(B) प्रदूषण बढ़ने से पहले ही हम कार्यवाही करने लगते हैं।

(C) समस्या सिर पर आने पर ही समाधान पर विचार करते हैं।

(D) समस्या आने से पहले ही समाधान पर विचार करते हैं।

सही उत्तर: (C) समस्या सिर पर आने पर ही समाधान पर विचार करते हैं।

हल:

अवधारणा:

- किसी कथन से व्यक्त मानवीय प्रवृत्ति का निष्कर्ष निकालना।
- उत्तर के लिए गद्यांश की संबंधित पंक्तियों का प्रमाण लेकर विकल्पों की तुलना करना।

चरण 1: गद्यांश से प्रमाण पहचानें लेखक कहता है कि प्रदूषण बढ़ने के बाद ही हम कार्यवाही के लिए लालायित होते हैं, जबकि सक्रियता पहले आवश्यक है। यह समस्या गंभीर हो जाने तक उपाय टालने की आदत को व्यक्त करता है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें विकल्प (A) केवल चिंता होने की बात कहता है; पंक्ति समाधान के लिए देर से सक्रिय होने की व्यापक प्रवृत्ति बताती है। विकल्प (B) और (D) पहले से कदम उठाने की बात कहते हैं, जो उद्धृत व्यवहार के विपरीत है। अतः विकल्प (C) सबसे उपयुक्त है।

चरण 3: निष्कर्ष समस्या सिर पर आने पर ही समाधान पर विचार करते हैं। अतः सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: स्वभाव से जुड़े प्रश्न में केवल घटना न चुनें; घटना से प्रकट होने वाली सामान्य आदत पहचानें।

1(iii). हवा की गति का प्रदूषण पर क्या प्रभाव पड़ता है ? [1 अंक]

(A) हवा की गति बढ़ने पर प्रदूषण बढ़ने लगता है

(B) हवा की गति बढ़ने पर प्रदूषण घटने लगता है

(C) हवा की गति कम होने पर प्रदूषण कम होने लगता है

(D) हवा की गति सामान्य रहने पर प्रदूषण समाप्त हो जाता है

सही उत्तर: (B) हवा की गति बढ़ने पर प्रदूषण घटने लगता है

हल:

अवधारणा:

- गद्यांश में बताए कारण और परिणाम का संबंध समझना।
- उत्तर के लिए गद्यांश की संबंधित पंक्तियों का प्रमाण लेकर विकल्पों की तुलना करना।

चरण 1: गद्यांश से प्रमाण पहचानें गद्यांश में स्पष्ट है कि हवा की गति कम होने पर प्रदूषक तत्त्व बढ़ते हैं और गति अधिक होने पर बेहद खराब हवा भी बेहतर होने लगती है। इसलिए बढ़ती गति का प्रभाव प्रदूषण घटने के रूप में बताया गया है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें विकल्प (A) बढ़ती गति से प्रदूषण बढ़ना बताता है, जो पाठ के विपरीत है। विकल्प (C) कम गति से प्रदूषण कम होना बताता है, यह भी उलटा है। विकल्प (D) सामान्य गति से प्रदूषण समाप्त होने का दावा करता है, जबकि गद्यांश ऐसा नहीं कहता।

चरण 3: निष्कर्ष हवा की गति बढ़ने पर प्रदूषण घटने लगता है। अतः सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: हवा की गति और प्रदूषकों के संबंध की दोनों स्थितियाँ साथ पढ़ें; बढ़ने और घटने के शब्दों पर ध्यान दें।

1(iv). हवा का एक जगह से दूसरी जगह पहुँचना चिंता का कारण कब बन जाता है ? [1 अंक]

(A) जब वह धीमी गति से बहे

(B) जब वह तीव्र गति से बहे

(C) जब उसमें प्रदूषक तत्त्वों की अधिकता हो

(D) जब उसमें धूल-मिट्टी की अधिकता हो

सही उत्तर: (C) जब उसमें प्रदूषक तत्त्वों की अधिकता हो

हल:

अवधारणा:

- किसी घटना के चिंताजनक होने की शर्त पहचानना।
- उत्तर के लिए गद्यांश की संबंधित पंक्तियों का प्रमाण लेकर विकल्पों की तुलना करना।

चरण 1: गद्यांश से प्रमाण पहचानें गद्यांश में कहा गया है कि एक जगह का प्रदूषण दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँच जाता है। साफ हवा कहीं भी पहुँचे तो चिंता नहीं होती, पर प्रदूषण का भार लिए हवा का दूर तक जाना चिंता पैदा करता है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें विकल्प (A) और (B) केवल हवा की गति बताते हैं; यहाँ चिंता का मुख्य कारण उसकी गति नहीं, उसमें मौजूद प्रदूषण है। विकल्प (D) केवल धूल-मिट्टी तक सीमित है, जबकि गद्यांश गैसों और रासायनिक कणों सहित प्रदूषक तत्त्वों की व्यापक चर्चा करता है।

चरण 3: निष्कर्ष जब उसमें प्रदूषक तत्त्वों की अधिकता हो। अतः सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: शर्त पूछने वाले प्रश्न में गद्यांश के यदि और तो वाले संबंध को पहचानकर सबसे व्यापक समर्थित विकल्प चुनें।

1(ix). प्रस्तुत गद्यांश का वर्ण्य-विषय है : [1 अंक]

(A) दिनोंदिन बढ़ता पर्यावरण प्रदूषण

(B) दिनोंदिन हवा में बढ़ता प्रदूषण

(C) कृत्रिम बरसात : आज की आवश्यकता

(D) पर्यावरण सुधार : समय की माँग

सही उत्तर: (B) दिनोंदिन हवा में बढ़ता प्रदूषण

हल:

अवधारणा:

- पूरे गद्यांश के केंद्रीय विषय और सहायक प्रसंगों में भेद करना।
- उत्तर के लिए गद्यांश की संबंधित पंक्तियों का प्रमाण लेकर विकल्पों की तुलना करना।

चरण 1: गद्यांश से प्रमाण पहचानें गद्यांश वायु की गुणवत्ता, हवा की गति, प्रदूषकों के दूर तक फैलने, निर्माण से वायु-प्रवाह रुकने और प्रदूषण के दुष्प्रभावों का वर्णन करता है। ये सभी बातें वायु प्रदूषण के केंद्रीय विषय से जुड़ी हैं।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें विकल्प (A) पर्यावरण प्रदूषण का बहुत व्यापक विषय देता है। विकल्प (C) कृत्रिम बरसात तक सीमित है, जो केवल एक प्रसंग है। विकल्प (D) पर्यावरण सुधार की सामान्य माँग है। विकल्प (B) पूरे गद्यांश में बार-बार आए हवा के प्रदूषण को सबसे सटीक रूप में समेटता है।

चरण 3: निष्कर्ष दिनोंदिन हवा में बढ़ता प्रदूषण। अतः सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: वर्ण्य-विषय चुनते समय पूरे गद्यांश में दोहराए मुख्य विचार को देखें; किसी एक उदाहरण को विषय न बनाएँ।

1(v). हवा में उपस्थित प्रदूषण को कम करने के विषय में क्या सत्य नहीं है ? [1 अंक]

(A) सरकार और जनता को साझा प्रयास करने होंगे।

(B) नवाचारी टेक्नोलॉजी और पद्धतियों पर काम करना होगा।

(C) धरती के बढ़ते तापमान को नियंत्रित रखना होगा।

(D) हवा में रासायनिक गैसों के उत्सर्जन को नियंत्रित करना होगा।

सही उत्तर: (C) धरती के बढ़ते तापमान को नियंत्रित रखना होगा।

हल:

अवधारणा:

- नकारात्मक प्रश्न में गद्यांश से असमर्थित कथन पहचानना।
- उत्तर के लिए गद्यांश की संबंधित पंक्तियों का प्रमाण लेकर विकल्पों की तुलना करना।

चरण 1: गद्यांश से प्रमाण पहचानें प्रश्न में सत्य नहीं पूछा गया है, इसलिए ऐसा विकल्प चुनना है जिसका समर्थन गद्यांश में वायु प्रदूषण घटाने के उपाय के रूप में नहीं मिलता। पाठ साझा प्रयास, नवाचारी पद्धतियों और प्रदूषणकारी उत्सर्जन के नियंत्रण की आवश्यकता बताता है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें विकल्प (A) साझा प्रयासों और (B) नवाचारी टेक्नोलॉजी पर अनुसंधान की बात से मेल खाते हैं। विकल्प (D) प्रदूषणकारी गैसों को हवा में पहुँचने से रोकने से जुड़ा है। विकल्प (C) में धरती के बढ़ते तापमान का नियंत्रण है; यह उपाय गद्यांश में नहीं बताया गया है।

चरण 3: निष्कर्ष धरती के बढ़ते तापमान को नियंत्रित रखना होगा। अतः सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: नहीं वाले प्रश्न में सामान्य ज्ञान के बजाय गद्यांश का प्रमाण देखें और असमर्थित विकल्प चुनें।

1(vi). जगह-जगह भवनों के निर्माण से खुली जगह में कमी के साथ-साथ और क्या समस्या आ रही है ? [1 अंक]

(A) लोगों को ध्वनि-प्रदूषण का सामना करना पड़ रहा है।

(B) स्थानीय स्तर पर वायु-प्रवाह में प्रदूषण बढ़ रहा है।

(C) स्थानीय स्तर पर लोगों को आवाजाही में दिक्कत आ रही है।

(D) स्थानीय स्तर पर सूर्य के प्रकाश की दिक्कत आ रही है।

सही उत्तर: (B) स्थानीय स्तर पर वायु-प्रवाह में प्रदूषण बढ़ रहा है।

हल:

अवधारणा:

- निर्माण गतिविधियों के बताए स्थानीय प्रभाव को समझना।
- उत्तर के लिए गद्यांश की संबंधित पंक्तियों का प्रमाण लेकर विकल्पों की तुलना करना।

चरण 1: गद्यांश से प्रमाण पहचानें गद्यांश के अनुसार भवनों तथा अन्य ढाँचागत निर्माण से खुली जगह घटती है और स्थानीय वायु-प्रवाह में दिक्कत आती है। इसके कारण प्रदूषण आसपास मँडराता रहता है। इस आशय से विकल्प (B) उपयुक्त है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें विकल्प (B) का आशय हवा के प्रवाह में बाधा से स्थानीय प्रदूषण के बढ़ने से है। विकल्प (A) ध्वनि-प्रदूषण, (C) लोगों की आवाजाही और (D) सूर्य के प्रकाश की कठिनाई बताते हैं। इन तीनों प्रभावों का उल्लेख संबंधित अंश में नहीं है, इसलिए इन्हें नहीं चुनेंगे।

चरण 3: निष्कर्ष स्थानीय स्तर पर वायु-प्रवाह में प्रदूषण बढ़ रहा है। अतः सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: कारण-परिणाम की कड़ी बनाएँ: खुली जगह कम, वायु-प्रवाह बाधित, प्रदूषण आसपास बना रहता है।

1(vii). हवा में उपस्थित प्रदूषण को कम करने के लिए कृत्रिम बरसात प्रभावकारी तरीका क्यों नहीं है ? [1 अंक]

(A) इससे फ़सलों को नुकसान पहुँचेगा

(B) इससे वनस्पति, जीव-जंतुओं को नुकसान पहुँचेगा

(C) आर्थिक दृष्टि से महँगा सौदा है

(D) प्रदूषित हवा विश्व-व्यापी समस्या है

सही उत्तर: (B) इससे वनस्पति, जीव-जंतुओं को नुकसान पहुँचेगा

हल:

अवधारणा:

- किसी उपाय की सीमा को गद्यांश में दिए दुष्प्रभावों से जोड़ना।
- उत्तर के लिए गद्यांश की संबंधित पंक्तियों का प्रमाण लेकर विकल्पों की तुलना करना।

चरण 1: गद्यांश से प्रमाण पहचानें गद्यांश के अनुसार प्रदूषक ऑक्साइड जल को तेजाबी बना सकते हैं। बरसात के बाद हवा साफ लगने पर भी प्रदूषित जल पेड़ों की जड़ों, पोषक तत्त्वों और जलचरों को हानि पहुँचा सकता है। इसलिए केवल बरसात को पूर्ण प्रभावकारी उपाय नहीं माना गया है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें विकल्प (B) वनस्पति और जीव-जंतुओं दोनों पर पड़ने वाली हानि को समेटता है। विकल्प (A) केवल फसलों तक सीमित है और उसका विशिष्ट उल्लेख नहीं है। विकल्प (C) में लागत की बात है, जो पाठ में नहीं दी गई। विकल्प (D) समस्या का विस्तार बताता है, बरसात से होने वाली बताई गई हानि नहीं।

चरण 3: निष्कर्ष इससे वनस्पति, जीव-जंतुओं को नुकसान पहुँचेगा। अतः सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: उपाय की सीमा पूछे जाने पर उसके तुरंत पहले बताए दुष्प्रभाव खोजें और सभी प्रभावित वर्ग समेटने वाला विकल्प चुनें।

1(viii). वर्तमान समय में बेमौसम बरसात की जरूरत क्यों महसूस हो रही है ? [1 अंक]

(A) बढ़ते तापमान को कम करने के लिए

(B) पेड़-पौधों की सिंचाई करने के लिए

(C) पानी की कमी को दूर करने के लिए

(D) प्रदूषित हवा को शुद्ध करने के लिए

सही उत्तर: (D) प्रदूषित हवा को शुद्ध करने के लिए

हल:

अवधारणा:

- वर्तमान संदर्भ में किसी आवश्यकता का विशेष कारण पहचानना।
- उत्तर के लिए गद्यांश की संबंधित पंक्तियों का प्रमाण लेकर विकल्पों की तुलना करना।

चरण 1: गद्यांश से प्रमाण पहचानें अंतिम अनुच्छेद में कहा गया है कि बरसात की जरूरत अब खेती और जलाशयों के लिए ही नहीं, दमघोंटू धुंध के प्रदूषण से निजात पाने के लिए भी है। इस नई आवश्यकता का संबंध प्रदूषित हवा को साफ करने से है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें विकल्प (A) तापमान घटाने की बात करता है, जो इस संदर्भ का कारण नहीं है। विकल्प (B) सिंचाई तथा (C) पानी की कमी पर केंद्रित हैं। ये वर्षा की सामान्य उपयोगिताएँ हैं, जबकि प्रश्न वर्तमान समय की विशेष जरूरत पूछता है। विकल्प (D) उसी प्रदूषण संबंधी जरूरत को व्यक्त करता है।

चरण 3: निष्कर्ष प्रदूषित हवा को शुद्ध करने के लिए। अतः सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: अब और भी जैसे शब्दों से जोड़ी गई नई आवश्यकता पर ध्यान दें; सामान्य उपयोगिता को उत्तर न चुनें।

1(x). निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए :
कथन *(A)* : जमीन से उठी कम घातक गैसें भी वायुमंडल में पहुँचकर नुकसानदेह प्रदूषणकारी बन जाती है।
कारण *(R)* : हवा की गति कम हो, तो प्रदूषक बढ़ जाते हैं। [1 अंक]

(A) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) कथन (A) की ग़लत व्याख्या करता है।
(C) कथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है।
(D) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ग़लत हैं।

सही उत्तर: (B) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) कथन (A) की ग़लत व्याख्या करता है।

हल:

अवधारणा:

- कथन और कारण की सत्यता गद्यांश के आधार पर अलग-अलग जाँची जाती है।
- दो बातें सही होने पर भी एक दूसरी की व्याख्या तभी करती है जब उनके बीच वही कारण-संबंध हो जो पाठ में दिया गया है।

चरण 1: कथन की सत्यता गद्यांश में बताया गया है कि जमीन से उठी गैसें और रासायनिक कण वायुमंडल में लंबे समय तक बने रहने पर नुकसानदेह प्रदूषणकारी बन सकते हैं। इस संदर्भ में कम घातक गैसों के भी हानिकारक बन जाने का कथन सही है।

चरण 2: कारण की सत्यता गद्यांश स्पष्ट करता है कि हवा की गति कम होने पर प्रदूषक तत्त्व बढ़ जाते हैं। इसलिए कारण भी सही है। यह कथन हवा द्वारा प्रदूषकों के फैलाव की स्थिति बताता है।

चरण 3: व्याख्या के संबंध की जाँच कम गति के कारण प्रदूषक बढ़ना, गैसों के लंबे समय तक वायुमंडल में रहने से नुकसानदेह बनने की सही व्याख्या नहीं है। इसलिए (A) का व्याख्या-संबंध गलत है। (C) कथन को गलत और (D) दोनों को गलत बताता है; ये भी पाठ के विपरीत हैं।

चरण 4: निष्कर्ष सही विकल्प (B) है : कथन सही है, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता।

त्वरित सुझाव: पहले दोनों वाक्यों की सत्यता जाँचें, फिर देखें कि दिया कारण कथन की ठीक उसी प्रक्रिया को समझाता है या नहीं।

2(a). बढ़ी है इस बार गंगा खूब
दियारो पर गाँव कितने हो गए हैं डूब
किंतु हम तो शहर की इस छोर पर हैं
देखते हैं रात-दिन जल-प्रलय का ही दृश्य
पत्थरों से बँधी गहरी नींववाला
किराए का घर हमारा रहे यह आबाद
पुराना ही सही पर मजबूत
रही जिसको अनवरत झकझोर
क्षुब्ध गंगा की विकट हिलकोर
सामने ही पड़ोसी के —
नीम, सहजन, आँवला, अमरूद
हो रहे हैं आकंठ जल में मग्न
रह न पाए स्तंभ पुल के नग्न
दूधिया पानी बना उनका रजत परिधान
रेलगाड़ी के पसिंजर खड़े होकर
खिड़कियों से झाँकते हैं
देखते हैं बाढ़ का यह दृश्य
उधर झूँसी इधर दारागंज

बीच का विस्तार
बन गया है आज पारावार
भगवती भागीरथी
ग्रीष्म में यह हो गई थी प्रतनु-सलिला
विरहिणी की पीठ लुंठित एकवेणी-सदृश
जिसको देखते ही व्यथा से अवसन्न होते रहे मेरे नेत्र
रिक्त ही था वरुण की कल-केलि का यह क्षेत्र
काकु करती रही पुल की प्रतिच्छाया, मगर यह थी मौन
उस प्रतनुता से अरे इस बाढ़ की तुलना करेगा कौन ? [5 अंक]

2(a)(i). 'रह न पाए स्तंभ पुल के नग्न' पंक्ति के आधार पर पुल के स्तंभों के नग्न न रह पाने का कारण है : [1 अंक]

(A) गंगा नदी का तेज बहाव
(B) गंगा नदी का मटमैला पानी
(C) गंगा नदी का बढ़ा जल-स्तर
(D) गंगा नदी का रेतीला पानी

सही उत्तर: (C) गंगा नदी का बढ़ा जल-स्तर

हल:

अवधारणा:

- काव्य-पंक्ति के अर्थ का निर्णय उसके पहले और बाद की पंक्तियों को साथ पढ़कर किया जाता है।
- स्तंभों का नग्न न रहना उनके पानी से ढक जाने का चित्र है।

चरण 1: प्रसंग का अर्थ कवि बताता है कि पेड़ आकंठ जल में मग्न हैं और पुल के स्तंभ भी खुले दिखाई नहीं पड़ते। अगली पंक्ति में दूधिया पानी को उनका रजत परिधान कहा गया है। इससे स्पष्ट है कि बाढ़ का पानी ऊपर तक चढ़ आया है।

चरण 2: विकल्पों की जाँच स्तंभों को ढकने का सीधा कारण नदी का बढ़ा जल-स्तर है। तेज बहाव पानी की गति बताता है; उससे अकेले स्तंभों का ढकना सिद्ध नहीं होता। मटमैला या रेतीला पानी उसके रंग या उसमें मिले पदार्थ की बात है। अतः (A), (B) और (D) अपेक्षित कारण नहीं बताते।

चरण 3: निष्कर्ष सही विकल्प (C) है : गंगा नदी का बढ़ा जल-स्तर।

त्वरित सुझाव: स्तंभों पर पानी का परिधान दिखे तो पानी की ऊँचाई पर ध्यान दें; गति और रंग को ढकने का कारण न मानें।

2(a)(ii). पुल के स्तंभों ने कैसा परिधान धारण किया हुआ है ? [1 अंक]

(A) गंगा-जल रूपी रजत परिधान
(B) चाँदी-सा चमकता परिधान
(C) मिट्टी-सा मटमैला परिधान
(D) दूध-सा चमकता परिधान

सही उत्तर: (A) गंगा-जल रूपी रजत परिधान

हल:

अवधारणा:

- काव्य में जल को परिधान कहने पर पहले वास्तविक वस्तु पहचाननी चाहिए।

- रजत का अर्थ चाँदी है; यहाँ यह गंगा के दूधिया पानी की चमक व्यक्त करता है।

चरण 1: निर्णायक पंक्ति कवि कहता है कि दूधिया पानी स्तंभों का रजत परिधान बन गया है। बाढ़ के कारण स्तंभ गंगा के पानी में ढक गए हैं। इसलिए उनका परिधान वास्तविक कपड़ा या चाँदी नहीं, गंगा का जल है।

चरण 2: विकल्पों में भेद (A) में गंगा-जल और रजत परिधान दोनों का पूरा संबंध व्यक्त होता है। (B) केवल चाँदी जैसी चमक बताता है और जल की पहचान छोड़ देता है। (C) मिट्टी जैसे मटमैले रंग की बात करता है, जबकि पंक्ति में रजत कहा गया है। (D) दूध जैसी चमक पर रुक जाता है; पूरे रूपक को (A) अधिक ठीक व्यक्त करता है।

चरण 3: निष्कर्ष सही विकल्प (A) है : गंगा-जल रूपी रजत परिधान।

त्वरित सुझाव: अलंकारपूर्ण वस्तु के प्रश्न में ऐसा विकल्प चुनें जो वास्तविक वस्तु और उसके काव्यात्मक रूप दोनों को समेटता हो।

2(a)(iii). गाँव में बाढ़ आने पर भी कवि के संतोष का क्या कारण हो सकता है ? [1 अंक]

(A) घर का नदी से दूर होना

(B) घर का शहर के किनारे होना

(C) घर का पुराना होना

(D) घर का मजबूत होना

सही उत्तर: (D) घर का मजबूत होना

हल:

अवधारणा:

- कवि के संतोष का कारण उसके घर के बारे में दी गई स्पष्ट विशेषताओं से समझना चाहिए।
- कारण पूछे जाने पर स्थान या आयु से अधिक उस गुण को महत्त्व दें जो खतरे से सुरक्षा देता है।

चरण 1: घर के वर्णन का प्रमाण कवि अपने किराए के घर की नींव को पत्थरों से बँधी गहरी नींव बताता है और उसे पुराना होने पर भी मजबूत कहता है। गंगा की विकट लहरें उसे लगातार झकझोर रही हैं, फिर भी उसकी मजबूती आश्वस्त करती है।

चरण 2: दूसरे विकल्पों का परीक्षण नदी से दूर होने की बात पाठ में नहीं है; उलटे लहरों का घर को झकझोरना बताया गया है। शहर के छोर पर होना अपने आप सुरक्षा का कारण नहीं है। पुराना होना भी सुरक्षा की गारंटी नहीं देता। इसलिए (A), (B) और (C) के बजाय घर की मजबूती ही संतोष का उचित आधार है।

चरण 3: निष्कर्ष सही विकल्प (D) है : घर का मजबूत होना।

त्वरित सुझाव: कारण के लिए कविता की स्पष्ट विशेषता पहचानें : यहाँ गहरी नींव और मजबूत घर सुरक्षा का आश्वासन देते हैं।

2(a)(iv). गंगा नदी की धारा ग्रीष्म-ऋतु में कैसी हो जाती है ? [1 अंक]

(A) मटमैली

(B) पतली

(C) सूखी

(D) काली

सही उत्तर: (B) पतली

हल:

अवधारणा:

- उत्तर के लिए पद्यांश के शब्दों और उनके प्रसंग को आधार बनाना आवश्यक है।
- सही विकल्प वही है जो पंक्ति के प्रत्यक्ष अर्थ अथवा काव्यगत विशेषता से मेल खाता है।

चरण 1: निर्णायक पंक्ति का अर्थ समझें पद्यांश में ग्रीष्मकालीन गंगा को 'प्रतनु-सलिला' कहा गया है। 'प्रतनु' का अर्थ पतला अथवा क्षीण और 'सलिला' का अर्थ जल वाली है। इससे स्पष्ट होता है कि गर्मियों में गंगा का जल घट गया था और उसकी धारा पतली हो गई थी।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें कवि इस क्षीण धारा की तुलना विरहिणी की पीठ पर पड़ी एक चोटी से करता है। यह बिंब धारा की पतली आकृति को पुष्ट करता है। (A) मटमैली और (D) काली रंग बताते हैं, जिनका यहाँ उल्लेख नहीं है। (C) सूखी भी गलत है, क्योंकि जल कम हुआ था, पूरी तरह समाप्त नहीं।

चरण 3: निष्कर्ष गंगा की धारा पतली हो जाती है। सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: 'प्रतनु-सलिला' को 'पतले जल वाली' समझें; इसे पूरी तरह सूखी नदी न मानें।

2(a)(v). 'विरहिणी की पीठ लुंठित एकवेणी-सदृश' पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ? [1 अंक]

(A) श्लेष

(B) उत्प्रेक्षा

(C) रूपक

(D) उपमा

सही उत्तर: (D) उपमा

हल:

अवधारणा:

- उत्तर के लिए पद्यांश के शब्दों और उनके प्रसंग को आधार बनाना आवश्यक है।
- सही विकल्प वही है जो पंक्ति के प्रत्यक्ष अर्थ अथवा काव्यगत विशेषता से मेल खाता है।

चरण 1: निर्णायक पंक्ति का अर्थ समझें पंक्ति में गंगा की ग्रीष्मकालीन पतली धारा की तुलना विरहिणी की पीठ पर पड़ी एक चोटी से की गई है। यहाँ धारा उपमेय है, एकवेणी उपमान है और 'सदृश' समानता बताने वाला वाचक शब्द है। पतलापन दोनों का समान धर्म है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें अलग-अलग वस्तुओं में स्पष्ट समानता स्थापित होने से उपमा का विधान बनता है। (A) श्लेष के लिए एक शब्द के अनेक अर्थ चाहिए; यहाँ ऐसा नहीं है। (B) उत्प्रेक्षा में संभावना होती है, जो यहाँ नहीं है। (C) रूपक में उपमेय पर उपमान का अभेद आरोप होता है; यहाँ तुलना 'सदृश' से स्पष्ट है।

चरण 3: निष्कर्ष पंक्ति में उपमा अलंकार है। सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: 'सदृश' शब्द और धारा तथा चोटी की तुलना साथ दिखाई दें, तो उपमा के अवयव पहचानें।

अथवा

2(b). अब कठोर हो वज्रादपि ओ कुसुमादपि सुकुमारी !
आर्यपुत्र दे चुके परीक्षा, अब है मेरी बारी।
मेरे लिए पिता ने सबसे धीर-वीर वर चाहा,
आर्यपुत्र को देख उन्होंने सभी प्रकार सराहा।
फिर भी हठकर हाय ! वृथा ही उन्होंने थाहा,
किस योद्धा ने बढ़कर उनका शौर्य-सिंधु अवगाहा ?
क्यों कर सिद्ध करूँ अपने को मैं उन नर की नारी
आर्यपुत्र दे चुके परीक्षा, अब है मेरी बारी।
देख कराल काल-सा जिसको काँप उठे सब भय से
गिरे प्रतिद्वंद्वी नंदार्जुन, नागदत्त जिस हय से
वह तुरंग पालित-कुरंग-सा नत हो गया विनय से,
क्यों न गूँजती रंगभूमि फिर उनके जय जय जय से
निकला वहाँ कौन उन जैसा प्रबल-पराक्रमकारी
आर्यपुत्र दे चुके परीक्षा, अब है मेरी बारी।
सभी सुंदरी बालाओं में मुझे उन्होंने माना,
सबने मेरा भाग्य सराहा, सबने रूप बखाना,
खेद, किसी ने उन्हें न फिर भी ठीक-ठीक पहचाना,
भेद चुने जाने का अपने मैंने भी अब जाना।
इस दिन के उपयुक्त पात्र की उन्हें खोज थी सारी,
आर्यपुत्र दे चुके परीक्षा, अब है मेरी बारी। [5 अंक]

2(b)(i). नायिका के पिता द्वारा वर रूप में नायक का चयन उसके किन गुणों के आधार पर किया गया ? [1 अंक]

(A) धैर्य, शौर्य, बुद्धि और वीरता
(B) शारीरिक सौष्ठव और बाहुबल
(C) घुड़सवारी में कुशल होने की कला
(D) कोमल, मधुर और विनम्र स्वभाव

सही उत्तर: (A) धैर्य, शौर्य, बुद्धि और वीरता

हल:

अवधारणा:

- उत्तर के लिए पद्यांश के शब्दों और उनके प्रसंग को आधार बनाना आवश्यक है।
- सही विकल्प वही है जो पंक्ति के प्रत्यक्ष अर्थ अथवा काव्यगत विशेषता से मेल खाता है।

चरण 1: निर्णायक पंक्ति का अर्थ समझें नायिका कहती है, 'मेरे लिए पिता ने सबसे धीर-वीर वर चाहा'। इससे पता चलता है कि पिता ने केवल बाहरी आकर्षण नहीं, बल्कि नायक के धैर्य, वीरता और सामर्थ्य को महत्त्व दिया। आर्यपुत्र को देखकर उन्होंने सभी प्रकार से उनकी प्रशंसा भी की।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें दिए गए विकल्पों में (A) धैर्य, शौर्य, बुद्धि और वीरता इस व्यापक योग्यता से सबसे अधिक मेल खाता है। (B) केवल शरीर और बाहुबल तक सीमित है। (C) घुड़सवारी की एक कला को ही आधार मानता है। (D) कोमलता और मधुरता बताता है, जबकि उद्धृत पंक्ति का प्रमुख संकेत धीरता और वीरता है।

चरण 3: निष्कर्ष वर का चयन धैर्य, शौर्य, बुद्धि और वीरता के आधार पर हुआ। सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: चयन का आधार जानने के लिए 'सबसे धीर-वीर वर चाहा' को निर्णायक पंक्ति बनाएँ।

2(b)(ii). उपर्युक्त पंक्तियों में आर्यपुत्र द्वारा दी जाने वाली कौन-सी परीक्षा की बात कही गई है ? [1 अंक]

(A) स्वयं को सबसे शक्तिशाली सिद्ध करने की परीक्षा

(B) स्वयं को सबसे बुद्धिशाली सिद्ध करने की परीक्षा

(C) स्वयं को वर हेतु योग्य सिद्ध करने की परीक्षा

(D) स्वयं को सिंहासन हेतु योग्य सिद्ध करने की परीक्षा

सही उत्तर: (C) स्वयं को वर हेतु योग्य सिद्ध करने की परीक्षा

हल:

अवधारणा:

- उत्तर के लिए पद्यांश के शब्दों और उनके प्रसंग को आधार बनाना आवश्यक है।
- सही विकल्प वही है जो पंक्ति के प्रत्यक्ष अर्थ अथवा काव्यगत विशेषता से मेल खाता है।

चरण 1: निर्णायक पंक्ति का अर्थ समझें पद्यांश में नायिका के पिता अपनी पुत्री के लिए योग्य, धीर और वीर वर चाहते हैं। इसी संदर्भ में आर्यपुत्र के पराक्रम की परीक्षा होती है। अन्य प्रतिद्वंद्वियों को गिरा देने वाला घोड़ा उनके सामने विनम्र हो जाता है और रंगभूमि में उनका जयघोष होता है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें घोड़े को वश में करना परीक्षा का प्रसंग है, जबकि उसका उद्देश्य वर के रूप में योग्यता सिद्ध करना है। (A) केवल सबसे शक्तिशाली होना बताता है और व्यापक विवाह-संदर्भ को छोड़ देता है। (B) बुद्धि की अलग परीक्षा का उल्लेख नहीं है। (D) सिंहासन के चयन का प्रसंग ही नहीं मिलता।

चरण 3: निष्कर्ष आर्यपुत्र की परीक्षा स्वयं को वर हेतु योग्य सिद्ध करने की थी। सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: परीक्षा का उद्देश्य और उसे लेने का साधन अलग रखें; यहाँ उद्देश्य योग्य वर का चयन है।

2(b)(iii). 'इस दिन के उपयुक्त पात्र की उन्हें खोज थी सारी' — पंक्ति में प्रयुक्त 'उपयुक्त पात्र' से क्या अभिप्राय है ? [1 अंक]

(A) उपयोगी बर्तन

(B) सुंदर राजकुमारी

(C) बलिष्ठ अश्व

(D) उपयुक्त व्यक्तित्व

सही उत्तर: (D) उपयुक्त व्यक्तित्व

हल:

अवधारणा:

- उत्तर के लिए पद्यांश के शब्दों और उनके प्रसंग को आधार बनाना आवश्यक है।
- सही विकल्प वही है जो पंक्ति के प्रत्यक्ष अर्थ अथवा काव्यगत विशेषता से मेल खाता है।

चरण 1: निर्णायक पंक्ति का अर्थ समझें 'इस दिन के उपयुक्त पात्र की उन्हें खोज थी सारी' में 'पात्र' किसी वस्तु के लिए नहीं, योग्यता रखने वाले व्यक्ति के लिए आया है। नायिका अपने चुने जाने का कारण समझ रही है और उस परिस्थिति के योग्य होने की चुनौती स्वीकार कर रही है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें इसलिए 'उपयुक्त पात्र' का भाव उस अवसर के अनुरूप योग्य व्यक्तित्व है। (A) उपयोगी बर्तन 'पात्र' का शब्दकोशीय अर्थ हो सकता है, पर इस प्रसंग में नहीं। (B) सुंदर राजकुमारी केवल बाहरी रूप तक सीमित है। (C) बलिष्ठ अश्व पहले वर्णित घोड़े की ओर ले जाता है, जबकि यहाँ नायिका अपने चयन का भेद समझती है।

चरण 3: निष्कर्ष 'उपयुक्त पात्र' का अर्थ उपयुक्त व्यक्तित्व है। सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: बहुअर्थी शब्द 'पात्र' का अर्थ उसके आसपास की पंक्तियों और चयन के प्रसंग से तय करें।

2(b)(iv). 'देख कराल काल-सा जिसको काँप उठे सब भय से' — पंक्ति में 'जिसको' का प्रयोग किसके लिए किया गया है ? [1 अंक]

(A) प्रतिद्वंद्वी राजकुमार

(B) आर्यपुत्र

(C) तुरंग

(D) कुरंग

सही उत्तर: (C) तुरंग

हल:

अवधारणा:

- उत्तर के लिए पद्यांश के शब्दों और उनके प्रसंग को आधार बनाना आवश्यक है।
- सही विकल्प वही है जो पंक्ति के प्रत्यक्ष अर्थ अथवा काव्यगत विशेषता से मेल खाता है।

चरण 1: निर्णायक पंक्ति का अर्थ समझें पंक्ति के बाद बताया गया है कि प्रतिद्वंद्वी नंदार्जुन और नागदत्त जिस 'हय' से गिर गए थे, वही 'तुरंग' आर्यपुत्र के सामने विनम्र हो गया। 'हय' और 'तुरंग' दोनों घोड़े के पर्याय हैं। भय पैदा करने वाला प्राणी यही उग्र घोड़ा है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें इस प्रकार 'जिसको' का संबंध तुरंग से है। (A) प्रतिद्वंद्वी राजकुमार उस घोड़े से गिरने वाले व्यक्ति हैं। (B) आर्यपुत्र घोड़े को वश में करने वाले नायक हैं। (D) कुरंग हिरन है, जिसका प्रयोग अगले चरण में विनम्रता की तुलना के लिए हुआ है; वह भय पैदा करने वाला प्राणी नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष 'जिसको' का प्रयोग तुरंग के लिए किया गया है। सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: सर्वनाम के संदर्भ के लिए अगली पंक्ति भी पढ़ें; 'हय' और 'तुरंग' के समान अर्थ पहचानें।

2(b)(v). 'वह तुरंग पालित-कुरंग-सा नत हो गया विनय से' — काव्य-पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ? [1 अंक]

(A) अतिशयोक्ति

(B) उपमा

(C) उत्प्रेक्षा

(D) मानवीकरण

सही उत्तर: (B) उपमा

हल:

अवधारणा:

- उत्तर के लिए पद्यांश के शब्दों और उनके प्रसंग को आधार बनाना आवश्यक है।
- सही विकल्प वही है जो पंक्ति के प्रत्यक्ष अर्थ अथवा काव्यगत विशेषता से मेल खाता है।

चरण 1: निर्णायक पंक्ति का अर्थ समझें काव्य-पंक्ति में पहले उग्र दिखने वाले तुरंग की विनम्रता की तुलना पाले हुए हिरन की विनम्रता से की गई है। यहाँ तुरंग अर्थात घोड़ा उपमेय, पालित कुरंग अर्थात पाला हुआ हिरन उपमान और 'सा' उपमावाचक शब्द है। विनम्र होकर झुकना समान धर्म है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें तुलना के ये स्पष्ट अवयव उपमा अलंकार सिद्ध करते हैं। (A) अतिशयोक्ति के लिए बढ़ा-चढ़ाकर कथन मुख्य होना चाहिए। (C) उत्प्रेक्षा में संभावित समानता व्यक्त होती है। (D) मानवीकरण में मानवेतर को मानवीय क्रिया या भाव का आरोप प्रमुख होता है; यहाँ प्रधान काव्य-रचना घोड़े और हिरन की स्पष्ट तुलना है।

चरण 3: निष्कर्ष इस पंक्ति में उपमा अलंकार है। सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: 'कुरंग-सा' में 'सा' को पहचानकर घोड़े और हिरन के बीच व्यक्त समानता स्पष्ट करें।

3(i). संवाददाताओं की रुचियों और ज्ञान को ध्यान में रखकर किया गया कार्य-विभाजन मीडिया की भाषा में क्या कहलाता है ? [1 अंक]

(A) डेड लाइन

(B) एंकर बाइट

(C) बीट

(D) डेस्क

सही उत्तर: (C) बीट

हल:

अवधारणा:

- पत्रकारिता में संवाददाता को उसकी रुचि और विषयगत जानकारी के अनुसार कोई क्षेत्र सौंपा जाता है। उस निर्धारित क्षेत्र को बीट कहते हैं। शिक्षा, खेल या राजनीति इसके उदाहरण हो सकते हैं।
- सही विकल्प चुनते समय प्रश्न के प्रमुख संकेत को पहचानकर अन्य विकल्पों का अर्थ और संदर्भ से मिलान करना आवश्यक है।

चरण 1: मुख्य संकेत से उत्तर पहचानें प्रश्न में कार्य-विभाजन और संवाददाता की रुचि तथा ज्ञान का उल्लेख है। ये संकेत किसी विषय या क्षेत्र की नियमित समाचार-जिम्मेदारी की ओर हैं, इसलिए बीट ही उपयुक्त शब्द है।

चरण 2: अन्य विकल्पों का परीक्षण करें (A) डेड लाइन समाचार देने की अंतिम समय-सीमा है। (B) एंकर बाइट प्रसारण से जुड़ा पद है, विषयवार कार्य-विभाजन नहीं। (D) डेस्क संपादन और समाचार-प्रबंधन का स्थान या विभाग है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (C) है: बीट।

त्वरित सुझाव: रुचि और ज्ञान के अनुसार समाचार-क्षेत्र सौंपने की बात आए तो उसे संवाददाता की बीट से जोड़ें।

3(ii). उलटा पिरामिड शैली का विकास कब हुआ ? [1 अंक]

(A) अमेरिका में गृह-युद्ध के दौरान

(B) प्रथम विश्व युद्ध के दौरान

(C) द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान

(D) इंग्लैंड के गृह-युद्ध के दौरान

सही उत्तर: (A) अमेरिका में गृह-युद्ध के दौरान

हल:

अवधारणा:

- उलटा पिरामिड शैली में समाचार का सबसे महत्त्वपूर्ण तथ्य पहले और कम महत्त्वपूर्ण विवरण बाद में आते हैं। पाठक प्रारंभ में ही मुख्य सूचना जान लेता है।
- सही विकल्प चुनते समय प्रश्न के प्रमुख संकेत को पहचानकर अन्य विकल्पों का अर्थ और संदर्भ से मिलान करना आवश्यक है।

चरण 1: मुख्य संकेत से उत्तर पहचानें इस शैली का विकास अमेरिका के गृह-युद्ध के दौरान हुआ। युद्ध के समाचार जल्दी भेजने और संचार बाधित होने की आशंका के कारण सबसे जरूरी बात पहले भेजी जाती थी।

चरण 2: अन्य विकल्पों का परीक्षण करें (B) प्रथम विश्व युद्ध और (C) द्वितीय विश्व युद्ध बाद की घटनाएँ हैं; वे इस शैली के आरंभ का प्रसंग नहीं हैं। (D) इंग्लैंड के गृह-युद्ध का उल्लेख भी इस पत्रकारीय शैली के विकास के संदर्भ में सही नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (A) है: अमेरिका में गृह-युद्ध के दौरान।

त्वरित सुझाव: उलटा पिरामिड के इतिहास को अमेरिकी गृह-युद्ध में सबसे जरूरी खबर पहले भेजने की जरूरत से जोड़कर याद रखें।

3(iii). हिंदी नेट पत्रकारिता का आरंभ हुआ : [1 अंक]

(A) भास्कर के साथ

(B) दैनिक जागरण के साथ

(C) वेब दुनिया के साथ

(D) प्रभासाक्षी के साथ

सही उत्तर: (C) वेब दुनिया के साथ

हल:

अवधारणा:

- इंटरनेट पत्रकारिता में समाचार और अन्य सामग्री वेबसाइटों पर प्रकाशित होती है। हिंदी नेट पत्रकारिता के आरंभ को पहचानते समय आरंभिक हिंदी पोर्टल और बाद में जुड़े समाचारपत्रों का अंतर समझना चाहिए।
- सही विकल्प चुनते समय प्रश्न के प्रमुख संकेत को पहचानकर अन्य विकल्पों का अर्थ और संदर्भ से मिलान करना आवश्यक है।

चरण 1: मुख्य संकेत से उत्तर पहचानें हिंदी नेट पत्रकारिता का आरंभ वेब दुनिया के साथ माना जाता है। इसने हिंदी सामग्री को इंटरनेट पर उपलब्ध कराने में आरंभिक भूमिका निभाई, इसलिए दिए गए विकल्पों में यही ऐतिहासिक संदर्भ से मेल खाता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों का परीक्षण करें (A) भास्कर और (B) दैनिक जागरण महत्त्वपूर्ण समाचार संस्थान हैं, पर प्रश्न हिंदी नेट पत्रकारिता के आरंभ का है। (D) प्रभासाक्षी भी हिंदी समाचार पोर्टल है, लेकिन यहाँ पूछे गए आरंभ का सही उत्तर नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (C) है: वेब दुनिया के साथ।

त्वरित सुझाव: हिंदी नेट पत्रकारिता का आरंभ पूछे जाने पर आरंभिक पोर्टल वेब दुनिया का नाम याद रखें।

3(iv). रेडियो में महत्त्व है : [1 अंक]

(A) प्रसारणकर्ताओं का

(B) शब्दों और ध्वनियों का

(C) छपे हुए शब्दों का

(D) दृश्यों और तस्वीरों का

सही उत्तर: (B) शब्दों और ध्वनियों का

हल:

अवधारणा:

- रेडियो श्रव्य माध्यम है। श्रोता संदेश को सुनकर ग्रहण करता है, इसलिए उसके लिए शब्दों की स्पष्टता, बोलने का ढंग और अर्थपूर्ण ध्वनियाँ प्रमुख होती हैं।
- सही विकल्प चुनते समय प्रश्न के प्रमुख संकेत को पहचानकर अन्य विकल्पों का अर्थ और संदर्भ से मिलान करना आवश्यक है।

चरण 1: मुख्य संकेत से उत्तर पहचानें रेडियो में घटनाओं और भावों को शब्द तथा ध्वनि के माध्यम से श्रोता तक पहुँचाया जाता है। दृश्य उपलब्ध न होने के कारण सुनाई देने वाला संदेश ही अर्थ और वातावरण का निर्माण करता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों का परीक्षण करें (A) प्रसारणकर्ता कार्यक्रम प्रस्तुत करते हैं, पर माध्यम की अभिव्यक्ति का आधार शब्द और ध्वनि हैं। (C) छपे हुए शब्द मुद्रित माध्यम की विशेषता हैं। (D) दृश्य और तस्वीरें दृश्य माध्यमों से संबंधित हैं; रेडियो पर वे दिखाई नहीं देते।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (B) है: शब्दों और ध्वनियों का।

त्वरित सुझाव: रेडियो के प्रश्न में सुनने की क्रिया को आधार बनाएँ; इससे शब्द और ध्वनि वाला विकल्प तुरंत मिलता है।

3(v). गहरी छानबीन, विश्लेषण और व्याख्या के आधार पर तैयार की गई रिपोर्ट कहलाती है : [1 अंक]

(A) विशेष रिपोर्ट

(B) संपादकीय रिपोर्ट

(C) सामान्य रिपोर्ट

(D) प्रेस रिपोर्ट

सही उत्तर: (A) विशेष रिपोर्ट

हल:

अवधारणा:

- विशेष रिपोर्ट किसी विषय या घटना का गहराई से अध्ययन करती है। इसमें केवल घटना की सूचना नहीं, बल्कि तथ्यों की छानबीन, उनके संबंधों का विश्लेषण और अर्थ की व्याख्या भी की जाती है।
- सही विकल्प चुनते समय प्रश्न के प्रमुख संकेत को पहचानकर अन्य विकल्पों का अर्थ और संदर्भ से मिलान करना आवश्यक है।

चरण 1: मुख्य संकेत से उत्तर पहचानें प्रश्न में गहरी छानबीन, विश्लेषण और व्याख्या तीनों को आधार बताया गया है। ये विशेष रिपोर्ट की पहचान हैं, क्योंकि वह पाठक को विषय की पृष्ठभूमि और उसके प्रभावों को विस्तार से समझाती है।

चरण 2: अन्य विकल्पों का परीक्षण करें (B) संपादकीय में पत्र या संपादक का विचार प्रमुख होता है। (C) सामान्य रिपोर्ट मुख्य सूचना देने तक सीमित हो सकती है। (D) प्रेस रिपोर्ट व्यापक पद है; वह प्रश्न में वर्णित गहन पड़ताल वाले विशिष्ट स्वरूप का नाम नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (A) है: विशेष रिपोर्ट।

त्वरित सुझाव: गहरी छानबीन, विश्लेषण और व्याख्या एक साथ आएँ तो विशेष रिपोर्ट की पहचान करें।

---

4. छोटा मेरा खेत चौकोना
कागज का एक पन्ना,
कोई अंधड़ कहीं से आया
क्षण का बीज वहाँ बोया गया।
कल्पना के रसायनों को पी
बीज गल गया निःशेष;
शब्द के अंकुर फूटे,
पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष [5 अंक]

4(i). छोटा खेत किसका प्रतीक है ? [1 अंक]

(A) फ़सल रोपे जाने वाले खेत का

(B) आकार में छोटे खेत का

(C) कागज के उस पन्ने का जिस पर रचना शब्द-बद्ध होती है

(D) कागज के उस पन्ने को जो पुस्तक में जिल्द-बद्ध रहता है

सही उत्तर: (C) कागज के उस पन्ने का जिस पर रचना शब्द-बद्ध होती है

हल:

अवधारणा:

- काव्यांश में खेती के रूपक से कविता की रचना समझाई गई है। प्रतीक का अर्थ अलग-थलग शब्द से नहीं, बल्कि उसके साथ आई पंक्तियों से निर्धारित करना चाहिए।

- सही विकल्प चुनते समय प्रश्न के प्रमुख संकेत को पहचानकर अन्य विकल्पों का अर्थ और संदर्भ से मिलान करना आवश्यक है।

चरण 1: मुख्य संकेत से उत्तर पहचानें कवि ने छोटे चौकोने खेत के तुरंत बाद कागज के एक पन्ने का उल्लेख किया है। इस प्रकार खेत का संबंध उस रचनास्थल से है जहाँ अनुभव और कल्पना के आधार पर शब्द उगते हैं तथा कविता आकार पाती है।

चरण 2: अन्य विकल्पों का परीक्षण करें (A) वास्तविक फसल वाला खेत और (B) केवल छोटे आकार का खेत लेने से रचना का रूपक छूट जाता है। (D) पुस्तक में जिल्द-बद्ध पन्ना भी सही नहीं, क्योंकि अंश में पन्ने पर रचना बनने की प्रक्रिया मुख्य है, पुस्तक की बँधाई नहीं।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (C) है: कागज के उस पन्ने का जिस पर रचना शब्द-बद्ध होती है।

त्वरित सुझाव: खेत के बाद आई कागज के पन्ने वाली पंक्ति को पढ़ें; वही प्रतीक का अर्थ सीधे स्पष्ट करती है।

4(ii). 'अंधड़' से कवि का क्या अभिप्राय है ? [1 अंक]

(A) हवा का तीव्र वेग

(B) शीतल-मंद-सुगंधित तेज हवा

(C) भावनाओं और विचारों का वेग

(D) धूल और मिट्टी से भरी तेज हवा

सही उत्तर: (C) भावनाओं और विचारों का वेग

हल:

अवधारणा:

- इस काव्यांश में प्राकृतिक खेती की शब्दावली के माध्यम से कवि की आंतरिक रचना-प्रक्रिया दिखाई गई है। इसलिए अंधड़ का अर्थ प्रसंग के अनुसार भाव-जगत से लेना चाहिए।
- सही विकल्प चुनते समय प्रश्न के प्रमुख संकेत को पहचानकर अन्य विकल्पों का अर्थ और संदर्भ से मिलान करना आवश्यक है।

चरण 1: मुख्य संकेत से उत्तर पहचानें अंधड़ के आने पर क्षण का बीज बोया जाता है और आगे कल्पना से शब्द अंकुरित होते हैं। यह क्रम बताता है कि अंधड़ मन में उमड़ने वाले भावों और विचारों का तीव्र वेग है, जो रचना के लिए प्रेरणा देता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों का परीक्षण करें (A) हवा का तीव्र वेग और (D) धूल-मिट्टी वाली हवा अंधड़ के भौतिक अर्थ हैं; यहाँ वे काव्यगत अभिप्राय नहीं बताते। (B) शीतल-मंद-सुगंधित हवा भी इस तीव्र आंतरिक आवेग और रचना-प्रसंग से मेल नहीं खाती।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (C) है: भावनाओं और विचारों का वेग।

त्वरित सुझाव: अंधड़ के बाद बीज और शब्दों के विकास को देखें; यहाँ तूफान कवि के भीतर के भाव-विचारों का है।

4(iii). कविता के संदर्भ में बताइए कि बीज किसके संसर्ग से अंकुरित हुआ। [1 अंक]

(A) खाद-पानी

(B) सूर्य का प्रकाश

(C) कल्पना

(D) मिट्टी-पानी

सही उत्तर: (C) कल्पना

हल:

अवधारणा:

- काव्यांश में बीज रचना के आरंभिक अनुभव या भाव का प्रतीक है। वह कल्पना के संसर्ग से विकसित होकर शब्दों का रूप ग्रहण करता है। उत्तर के लिए अंश में बताई गई प्रक्रिया निर्णायक है।
- सही विकल्प चुनते समय प्रश्न के प्रमुख संकेत को पहचानकर अन्य विकल्पों का अर्थ और संदर्भ से मिलान करना आवश्यक है।

चरण 1: मुख्य संकेत से उत्तर पहचानें कवि स्पष्ट करता है कि बीज कल्पना के रसायनों को पीता है; उसके बाद शब्द के अंकुर फूटते हैं। अत: बीज के अंकुरित होने का कारण कल्पना का संसर्ग है, जिसके द्वारा आरंभिक भाव काव्यात्मक अभिव्यक्ति बनता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों का परीक्षण करें (A) खाद-पानी, (B) सूर्य का प्रकाश और (D) मिट्टी-पानी वास्तविक पौधे की वृद्धि से जुड़े हैं। यहाँ वास्तविक कृषि का वैज्ञानिक विवरण नहीं दिया गया; इन विकल्पों को चुनने से कल्पना और शब्दों के बीच बताई गई रचना-प्रक्रिया अनदेखी रह जाती है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (C) है: कल्पना।

त्वरित सुझाव: बीज के अंकुरण का कारण चुनते समय कल्पना के रसायनों को पीने वाली पंक्ति से उत्तर मिलाएँ।

4(iv). बीज के गल जाने पर क्या हुआ ? [1 अंक]

(A) शब्दों के अंकुर फूटे

(B) कवि को पश्चात्ताप हुआ

(C) भावनाओं के अंकुर फूटे

(D) कवि की मेहनत व्यर्थ हुई

सही उत्तर: (A) शब्दों के अंकुर फूटे

हल:

अवधारणा:

- कविता में बीज के गलने और अंकुर फूटने का क्रम रचना के विकास का रूपक है। भाव या अनुभव कल्पना में रूपांतरित होता है और शब्दों के द्वारा व्यक्त होता है।
- सही विकल्प चुनते समय प्रश्न के प्रमुख संकेत को पहचानकर अन्य विकल्पों का अर्थ और संदर्भ से मिलान करना आवश्यक है।

चरण 1: मुख्य संकेत से उत्तर पहचानें बीज के निःशेष गलने के तुरंत बाद कवि शब्द के अंकुर फूटने की बात कहता है। इसलिए बीज का गलना असफलता नहीं, आरंभिक भाव का शब्दमयी रचना में बदलना है। अंश का सीधा कथन उत्तर तय करता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों का परीक्षण करें (B) पश्चात्ताप और (D) मेहनत व्यर्थ होने का कोई संकेत नहीं है; आगे का विकास रचना की सफलता दर्शाता है। (C) भावनाओं के अंकुर कहना भी सटीक नहीं, क्योंकि दी गई पंक्ति में भावनाओं की जगह स्पष्ट रूप से शब्द के अंकुर बताए गए हैं।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (A) है: शब्दों के अंकुर फूटे।

त्वरित सुझाव: बीज के गलने के ठीक बाद आई पंक्ति देखें; उसमें शब्द के अंकुर फूटने का प्रत्यक्ष उत्तर है।

4(v). खेती के रूपक द्वारा कवि ने प्रस्तुत किया है : [1 अंक]

(A) कृषि-कर्म प्रक्रिया को

(B) काव्य-रचना प्रक्रिया को

(C) खेती में आने वाली कठिनाइयों को

(D) खेती के महत्त्व को

सही उत्तर: (B) काव्य-रचना प्रक्रिया को

हल:

अवधारणा:

- खेती का रूपक और काव्य-सृजन।
- कवि ने कागज के पन्ने को छोटा खेत कहा है। उसमें भाव का बीज पड़ता है और कल्पना के सहारे शब्दों के अंकुर निकलते हैं।

चरण 1: कागज, भाव और शब्द का संबंध 'कागज का एक पन्ना' और 'शब्द के अंकुर' स्पष्ट करते हैं कि यहाँ वास्तविक खेत में अन्न उगाने की बात नहीं है। भाव, कल्पना और शब्द मिलकर कविता बनने की प्रक्रिया बताते हैं।

चरण 2: अन्य विकल्पों का परीक्षण (A) में वास्तविक कृषि-कर्म है, जबकि यहाँ खेती उपमान है। (C) खेती की कठिनाइयों और (D) खेती के महत्त्व का संकेत देते हैं; पद्यांश का केंद्र इन दोनों में से कोई नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष खेती के रूपक द्वारा कवि ने काव्य-रचना प्रक्रिया को प्रस्तुत किया है। अतः सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: रूपक पहचानते समय कागज, भाव-बीज और शब्द-अंकुर को एक ही सृजन-क्रम में जोड़िए।

---

5. अगर तीस-चालीस मन गेहूँ उगाना है तो किसान पाँच-छह सेर अच्छा गेहूँ अपने पास से लेकर जमीन में क्यारियाँ बना कर फेंक देता है। उसे बुवाई कहते हैं। यह जो सूखे में हम अपने घर का पानी इन पर फेंकते हैं वह भी बुवाई है। यह पानी गली में बोएँगे तो सारे शहर, कस्बा, गाँव पर पानी वाले बादलों की फ़सल आ जाएगी। हम बीज बनाकर पानी देते हैं, फिर काले मेघा से पानी माँगते हैं। सब ऋषि-मुनि कह गए हैं कि पहले खुद दो तब देवता तुम्हें चौगुना-अठगुना करके लौटाएँगे भइया, यह तो हर आदमी का आचरण है, जिससे सबका आचरण बनता है। [5 अंक]

5(i). बुवाई का क्या अर्थ है ? [1 अंक]

(A) खेतों में बीज बोना

(B) खेतों में पानी देना

(C) खेतों में कटाई करना

(D) खेतों में खाद देना

सही उत्तर: (A) खेतों में बीज बोना

हल:

अवधारणा:

- गद्यांश में प्रयुक्त शब्द का अर्थ।
- शब्द का अर्थ उसके ठीक पहले दिए गए उदाहरण से स्पष्ट होता है। किसान का गेहूँ जमीन में डालना बुवाई कहलाता है।

चरण 1: गद्यांश का प्रमाण किसान अपने पास से अच्छा गेहूँ लेकर जमीन में क्यारियाँ बनाकर डालता है। इसके तुरंत बाद कहा गया है, 'उसे बुवाई कहते हैं।' इसलिए बुवाई का आशय बीज बोना है।

चरण 2: अन्य क्रियाओं से अंतर (B) पानी देना सिंचाई है। (C) कटाई तैयार फसल काटने की क्रिया है। (D) खाद देना भूमि को पोषक तत्व देने की क्रिया है। ये खेती के कार्य हैं, पर बुवाई का अर्थ नहीं हैं।

चरण 3: निष्कर्ष बुवाई का अर्थ खेतों में बीज बोना है। अतः सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: परिभाषा वाले प्रश्न में 'उसे ... कहते हैं' के ठीक पहले बताई गई क्रिया पहचानिए।

5(ii). बादलों की फ़सल पाने के लिए क्या करना पड़ता है ? [1 अंक]

(A) बादलों की पूजा-अर्चना करनी पड़ती है
(B) इंद्र देवता की पूजा-अर्चना करनी पड़ती है
(C) पानी का दान-पुण्य करना पड़ता है
(D) पानी की बरबादी को रोकना होता है

सही उत्तर: (C) पानी का दान-पुण्य करना पड़ता है

हल:

अवधारणा:

- लोकविश्वास में देने और पाने का संबंध।
- उत्तर गद्यांश में व्यक्त जीजी के तर्क पर आधारित है। पानी देना बीज बोने जैसा और वर्षा मिलना उसकी फसल जैसा बताया गया है।

चरण 1: पानी की बुवाई का आशय गद्यांश में घर का पानी इंद्र सेना पर डालने को बुवाई कहा गया है। इसके बदले पूरे गाँव, कस्बे और शहर पर पानी वाले बादलों की फसल आने का विश्वास व्यक्त किया गया है।

चरण 2: विकल्पों की तुलना (A) बादलों की पूजा और (B) इंद्र की पूजा का विधान इस अंश में नहीं दिया गया है। (D) पानी बचाना उपयोगी विचार है, पर यहाँ वर्षा पाने का साधन अपना पानी देना बताया गया है। इसलिए (C) कथ्य से मेल खाता है।

चरण 3: निष्कर्ष बादलों की फसल पाने के लिए पानी का दान-पुण्य करना पड़ता है। अतः सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: किसी लोकविश्वास का उत्तर देते समय गद्यांश में दिए गए कारण और फल को ही जोड़िए।

5(iii). ऋषि-मुनियों के अनुसार हमें मनवांछित फल की प्राप्ति कब होती है ? [1 अंक]

(A) दिन-रात परिश्रम करने से
(B) ईश्वर की उपासना करने से
(C) बड़ों के आशीर्वाद से
(D) दान-पुण्य करने से

सही उत्तर: (D) दान-पुण्य करने से

हल:

अवधारणा:

- ऋषि-मुनियों के कथन का आशय।
- गद्यांश में पहले स्वयं देने और फिर अधिक मात्रा में पाने का संबंध स्थापित किया गया है। यही दान की महत्ता का आधार है।

चरण 1: निर्णायक कथन ऋषि-मुनियों के मत के रूप में कहा गया है, 'पहले खुद दो तब देवता तुम्हें चौगुना-अठगुना करके लौटाएँगे।' इसका आशय है कि मनवांछित फल पाने से पहले दूसरों के लिए देना आवश्यक है।

चरण 2: अन्य विकल्प क्यों नहीं (A) परिश्रम, (B) उपासना और (C) बड़ों का आशीर्वाद सामान्य जीवन में महत्त्वपूर्ण हो सकते हैं, किंतु दिए गए कथन में इन्हें फल-प्राप्ति का कारण नहीं बताया गया है। यहाँ दान-पुण्य पर बल है।

चरण 3: निष्कर्ष ऋषि-मुनियों के अनुसार दान-पुण्य करने से मनवांछित फल मिलता है। अतः सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: 'पहले खुद दो' को केंद्रीय संकेत मानिए; उत्तर में उसी देने की भावना को खोजिए।

5(iv). जीजी ने किसान का उदाहरण क्यों दिया है ? [1 अंक]

(A) बुवाई की प्रक्रिया स्पष्ट करने के लिए
(B) भारतीय संस्कृति की महिमा बताने के लिए
(C) किसानों की महत्ता समझाने के लिए
(D) दान-पुण्य की महत्ता समझाने के लिए

सही उत्तर: (D) दान-पुण्य की महत्ता समझाने के लिए

हल:

अवधारणा:

- उदाहरण देने का उद्देश्य।
- उदाहरण का उद्देश्य उसके माध्यम से स्थापित मुख्य विचार से पहचाना जाता है। जीजी किसान की बुवाई को पानी देने के कार्य से जोड़ती हैं।

चरण 1: किसान के उदाहरण की भूमिका किसान थोड़े अच्छे बीज अपने पास से देकर अधिक फसल पाता है। इसी तरह पानी देने पर अधिक वर्षा मिलने का तर्क रखा गया है। उदाहरण पहले त्याग करने और फिर फल पाने की भावना समझाता है।

चरण 2: मुख्य उद्देश्य और अन्य विकल्प (A) बुवाई की प्रक्रिया उदाहरण का प्रारंभिक विवरण है, अंतिम उद्देश्य नहीं। (B) भारतीय संस्कृति की व्यापक महिमा और (C) किसानों की महत्ता इस कथन का सीधा केंद्र नहीं हैं। मुख्य बल दान-पुण्य की महत्ता समझाने पर है।

चरण 3: निष्कर्ष जीजी ने दान-पुण्य की महत्ता समझाने के लिए किसान का उदाहरण दिया है। अतः सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: उदाहरण का उद्देश्य पूछे जाने पर उसके अंतिम निष्कर्ष को देखिए, केवल शुरुआती विवरण को नहीं।

5(v). 'पानी गली में बोएँगे' का अभिप्राय है : [1 अंक]

(A) पानी की गली में बुवाई करना
(B) पानी की खेतों में बुवाई करना
(C) पानी को गली में फेंकना
(D) पानी को इंद्र सेना पर डालना

सही उत्तर: (D) पानी को इंद्र सेना पर डालना

हल:

अवधारणा:

- रूपकात्मक कथन का प्रसंगानुसार अर्थ।
- 'पानी बोना' यहाँ वास्तविक खेती की क्रिया नहीं है। यह सूखे में इंद्र सेना पर पानी डालने के लिए प्रयुक्त रूपक है।

चरण 1: वाक्य को प्रसंग से जोड़ना अंश में पहले कहा गया है कि घर का पानी 'इन पर' फेंकते हैं और उसे भी बुवाई कहते हैं। उसी कार्य को आगे 'पानी गली में बोएँगे' कहा गया है। प्रसंग में पानी प्राप्त करने वाले इंद्र सेना के सदस्य हैं।

चरण 2: अन्य अर्थों का परीक्षण (A) और (B) पानी की वास्तविक बुवाई मानते हैं, इसलिए रूपक का आशय नहीं बताते। (C) केवल गली में पानी फेंकने का सामान्य अर्थ देता है और इंद्र सेना पर डालने की विशिष्ट क्रिया छोड़ देता है। (D) पूरा प्रसंग स्पष्ट करता है।

चरण 3: निष्कर्ष 'पानी गली में बोएँगे' का अभिप्राय पानी को इंद्र सेना पर डालना है। अतः सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: रूपक का अर्थ निकालते समय पहले वाक्य के सर्वनाम 'इन पर' का प्रसंगगत संदर्भ पहचानिए।

6(i). 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के आधार पर लिखिए कि यशोधर बाबू दफ़्तर से घर जल्दी लौटना क्यों पसंद नहीं करते थे। [1 अंक]

(A) पत्नी और बच्चों से वैचारिक मतभेद होने के कारण

(B) दफ़्तर के बाद बिड़ला मंदिर जाना पसंद होने के कारण

(C) घर के कोलाहल से बचने के कारण

(D) घर के एकाकी वातावरण से बचने के कारण

सही उत्तर: (A) पत्नी और बच्चों से वैचारिक मतभेद होने के कारण

हल:

अवधारणा:

- यशोधर बाबू का पारिवारिक असामंजस्य।
- कहानी में पुरानी जीवन-दृष्टि वाले यशोधर बाबू और आधुनिकता अपनाते उनके परिवार के बीच वैचारिक दूरी है। व्यवहार का कारण इसी संबंध से समझना चाहिए।

चरण 1: घर जल्दी न लौटने का कारण पत्नी और बच्चों की सोच तथा रहन-सहन से यशोधर बाबू का मेल नहीं बैठता। अपने ही घर में वे सहज आत्मीयता का अनुभव नहीं करते। यह वैचारिक असामंजस्य उन्हें दफ्तर से जल्दी घर लौटने से रोकता है।

चरण 2: दूसरे विकल्पों की सीमा (B) मंदिर जाना उनकी दिनचर्या का हिस्सा है, लेकिन प्रश्न में पूछे व्यवहार का मूल कारण नहीं। (C) केवल शोर और (D) घर का एकाकी वातावरण बताते हैं; कहानी में मुख्य समस्या परिवार के रहते हुए विचारों की दूरी है।

चरण 3: निष्कर्ष पत्नी और बच्चों से वैचारिक मतभेद होने के कारण यशोधर बाबू जल्दी घर लौटना पसंद नहीं करते थे। अतः सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: पात्र की दिनचर्या और उसके पीछे के मनोवैज्ञानिक कारण में अंतर करके विकल्प चुनिए।

6(ii). किशनदा के रिटायर होने के बाद यशोधर बाबू उन्हें अपने घर में क्यों नहीं रख पाए ? [1 अंक]

(A) घर में अतिरिक्त कमरा न होने के कारण

(B) पत्नी और बच्चों द्वारा उन्हें पसंद न किए जाने के कारण

(C) अपने परिवार को नाराज न करने के कारण

(D) किशनदा द्वारा उनके प्रस्ताव को अस्वीकार किए जाने के कारण

सही उत्तर: (A) घर में अतिरिक्त कमरा न होने के कारण

हल:

अवधारणा:

- कहानी के प्रसंग में किसी निर्णय का कारण उसकी प्रत्यक्ष परिस्थिति से पहचानना चाहिए।
- यशोधर बाबू किशनदा का सम्मान करते थे, लेकिन उनके अपने क्वार्टर में रहने की जगह का अभाव था।

चरण 1: आवास की वास्तविक परिस्थिति यशोधर बाबू के दो कमरों के क्वार्टर में तीन परिवार रहते थे। वहाँ पहले ही स्थान का अभाव

था। इसलिए किशनदा के रिटायर होने के बाद उन्हें अपने साथ रखने के लिए अतिरिक्त कमरा उपलब्ध नहीं था। इस व्यावहारिक बाधा ने उनकी इच्छा पूरी नहीं होने दी।

चरण 2: अन्य विकल्पों का परीक्षण (B) परिवार की नापसंदगी और (C) परिवार को नाराज न करना मनोभावों पर आधारित कारण हैं, जबकि इस विशिष्ट प्रसंग का प्रत्यक्ष कारण रहने की जगह न होना है। (D) किशनदा द्वारा प्रस्ताव अस्वीकार करने की बात कहता है; यहाँ बाधा प्रस्ताव अस्वीकार होना नहीं, घर में अतिरिक्त कमरे का अभाव है।

चरण 3: निष्कर्ष घर में अतिरिक्त कमरा न होने के कारण यशोधर बाबू किशनदा को अपने घर में नहीं रख पाए। अतः सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: पात्र के सामान्य पारिवारिक द्वंद्व के बजाय पूछे गए प्रसंग में बताई गई आवास की स्थिति याद कीजिए।

6(iii). किशनदा के आदर्शों पर चलने से यशोधर बाबू के पारिवारिक, जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा ? [1 अंक]

(A) उनका पारिवारिक जीवन अत्यंत सरल हो गया

(B) उनका परिवार आदर्शवादी परिवार बन गया

(C) उनका परिवार सिद्धांतवादी परिवार बन गया

(D) उनका अपने परिवार से मतभेद रहने लगा

सही उत्तर: (D) उनका अपने परिवार से मतभेद रहने लगा

हल:

अवधारणा:

- पीढ़ियों के मूल्यबोध का अंतर।
- उत्तर का निर्धारण संबंधित पाठ के प्रसंग और दिए गए विकल्पों की तुलना से किया जाता है।

चरण 1: प्रसंग को पहचानें यशोधर बाबू किशनदा के सादे, संयमी और परंपरागत जीवन-मूल्यों को आदर्श मानते हैं। उनका परिवार बदलती आधुनिक जीवन-शैली अपनाना चाहता है। इसलिए उनके आदर्श परिवार के व्यवहार से मेल नहीं खाते।

चरण 2: कारण और विकल्पों की जाँच करें परिवार के सदस्य सुविधा, आधुनिक पहनावे और उत्सवों को महत्त्व देते हैं, जबकि यशोधर बाबू इन बातों को अपने पुराने संस्कारों की कसौटी पर परखते हैं। इस मूल्यगत अंतर से उनके और परिवार के बीच मतभेद बढ़ते हैं। (A) जीवन सरल होने का परिणाम नहीं मिलता। (B) पूरा परिवार आदर्शवादी नहीं बनता और (C) भी गलत है, क्योंकि परिवार ने उनके सिद्धांत नहीं अपनाए।

चरण 3: निष्कर्ष उनका अपने परिवार से मतभेद रहने लगा। अतः सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: व्यक्ति के आदर्श और परिवार की जीवन-शैली में अंतर पहचानकर उसके परिणाम वाला विकल्प चुनें।

6(iv). यशोधर बाबू सिल्वर वैडिंग मनाने के पक्ष में क्यों नहीं थे ? [1 अंक]

(A) वे इसे पैसों की बर्बादी मानते थे

(B) वे इसे समय की बर्बादी मानते थे

(C) वे इसे विदेशी कस्टम मानते थे

(D) वे रूढ़िवादी विचारों के थे

सही उत्तर: (C) वे इसे विदेशी कस्टम मानते थे

हल:

अवधारणा:

- परंपरा और विदेशी उत्सव-पद्धति।
- उत्तर का निर्धारण संबंधित पाठ के प्रसंग और दिए गए विकल्पों की तुलना से किया जाता है।

चरण 1: प्रसंग को पहचानें यशोधर बाबू का जीवन-बोध भारतीय पारिवारिक संस्कारों और किशनदा से प्राप्त धारणाओं से बना है। विवाह के पच्चीस वर्ष पूरे होने पर सिल्वर वैडिंग मनाने की नई पद्धति उन्हें सहज नहीं लगती।

चरण 2: कारण और विकल्पों की जाँच करें वे इस आयोजन को विदेशी कस्टम मानते हैं। परिवार के लिए यह खुशी मनाने का अवसर है, लेकिन उनकी दृष्टि में यह बाहर से आई ऐसी रीति है जिसे अपनाने की जरूरत नहीं है। इसी कारण वे इसके पक्ष में नहीं हैं। (A) पैसे और (B) समय की बर्बादी प्रश्न के प्रसंग का स्पष्ट कारण नहीं हैं। (D) उनका सामान्य स्वभाव बताता है, पर उत्सव का विरोध करने का विशिष्ट कारण नहीं बताता।

चरण 3: निष्कर्ष वे इसे विदेशी कस्टम मानते थे। अतः सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: पात्र के सामान्य स्वभाव की जगह उसी प्रसंग में दिए गए विशेष कारण को प्राथमिकता दें।

6(ix). मुअनजो-दड़ो में मिले विशाल कोठार का प्रयोग किस लिए किया जाता होगा ? [1 अंक]

(A) कर के रूप में एकत्रित अनाज रखने के लिए

(B) कर के रूप में एकत्रित धन रखने के लिए

(C) उपासना केंद्र के रूप में

(D) महासभा भवन के रूप में

सही उत्तर: (A) कर के रूप में एकत्रित अनाज रखने के लिए

हल:

अवधारणा:

- पुरातात्त्विक अवशेषों का उपयोग।
- उत्तर का निर्धारण संबंधित पाठ के प्रसंग और दिए गए विकल्पों की तुलना से किया जाता है।

चरण 1: प्रसंग को पहचानें पाठ में मुअनजो-दड़ो के बड़े कोठार का संबंध कृषि-उपज के भंडारण से जोड़ा गया है। कोठार का आकार और उसकी उपयोगिता एकत्र अनाज को सुरक्षित रखने की व्यवस्था की ओर संकेत करते हैं।

चरण 2: कारण और विकल्पों की जाँच करें अनुमान है कि कर के रूप में एकत्र किया गया अनाज इस कोठार में रखा जाता होगा। इस तरह यह नगर की आर्थिक व्यवस्था और सामूहिक भंडारण की सुविधा से संबंधित था। प्रश्न में प्रयुक्त संभावनासूचक भाषा का भी ध्यान रखना चाहिए। (B) में धन रखने की बात है, जबकि कोठार अनाज-भंडारण से जुड़ा है। (C) उपासना और (D) महासभा भवन के कार्य हैं; वे इस भंडार के उपयोग को नहीं बताते।

चरण 3: निष्कर्ष कर के रूप में एकत्रित अनाज रखने के लिए। अतः सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: कोठार को अनाज के भंडारण से जोड़ें और उसे उपासना या सभा की इमारत से अलग पहचानें।

6(v). आनंदा के पिता ईख पेरने का काम दूसरे किसानों से पहले ही क्यों शुरू कर देते थे ? [1 अंक]

(A) ईख की अच्छी खासी कीमत पाने के लिए

(B) जल्दी ही खेती के काम से मुक्ति पाने के लिए

(C) गाँव में इधर-उधर घूमने के लिए

(D) दूसरे किसानों से पहले काम समाप्त करने के लिए

सही उत्तर: (A) ईख की अच्छी खासी कीमत पाने के लिए

हल:

अवधारणा:

- खेती के काम का आर्थिक उद्देश्य।
- उत्तर का निर्धारण संबंधित पाठ के प्रसंग और दिए गए विकल्पों की तुलना से किया जाता है।

चरण 1: प्रसंग को पहचानें आनंदा के पिता ईख पेरने का काम अन्य किसानों से पहले शुरू करते थे। इस प्रसंग में जल्दी काम शुरू करने का उद्देश्य उपज की बिक्री में मिलने वाला आर्थिक लाभ था।

चरण 2: कारण और विकल्पों की जाँच करें पहले तैयार माल को बाजार में अच्छी कीमत मिलने की संभावना रहती थी। इसलिए काम जल्दी शुरू करना अच्छी-खासी कीमत प्राप्त करने की युक्ति था। प्रश्न केवल काम समाप्त करने का समय नहीं, उस जल्दी के पीछे का उद्देश्य पूछता है। (B) खेती के काम से छुटकारा पाना और (C) गाँव में घूमना इस विशेष निर्णय के कारण नहीं हैं। (D) जल्दी समाप्ति का परिणाम बताता है, लेकिन अच्छी कीमत पाने के आर्थिक उद्देश्य को नहीं बताता।

चरण 3: निष्कर्ष ईख की अच्छी-खासी कीमत पाने के लिए। अतः सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: कारण पूछे जाने पर जल्दी काम समाप्त होने जैसे परिणाम से आगे बढ़कर आर्थिक उद्देश्य पहचानें।

6(vi). आनंदा को पाठशाला जाने के लिए लगाई जाने वाली शर्तों में से कौन-सी शर्त सम्मिलित नहीं थी ? [1 अंक]

(A) सुबह खेतों में पानी लगाना

(B) शाम को आधा घंटा ढोर चराना

(C) शाम को खेतों में सिंचाई करना

(D) खेतों में काम अधिक होने पर पाठशाला न जाना

सही उत्तर: (C) शाम को खेतों में सिंचाई करना

हल:

अवधारणा:

- शिक्षा के लिए स्वीकार की गई शर्तें।
- उत्तर का निर्धारण संबंधित पाठ के प्रसंग और दिए गए विकल्पों की तुलना से किया जाता है।

चरण 1: प्रसंग को पहचानें आनंदा को पढ़ाई की अनुमति मिलने के साथ खेती और पशुओं से जुड़े काम भी करने थे। प्रश्न में निषेध है: उस शर्त को चुनना है जो पिता की लगाई हुई शर्तों में शामिल नहीं थी।

चरण 2: कारण और विकल्पों की जाँच करें सुबह खेत में पानी लगाना, शाम को ढोर चराना और खेत में अधिक काम होने पर पाठशाला न जाना उसके पढ़ने की अनुमति के साथ जुड़े दायित्व थे। शाम को खेतों में सिंचाई करना इन शर्तों में नहीं था, इसलिए प्रश्न का आशयगत अपेक्षित उत्तर (C) है। (A) और (D) पाठानुकूल शर्तें हैं। (B) में ढोर चराने का काम तो पाठानुकूल है, किंतु अवधि का अंतर है: मूल पाठ में घंटा भर है, जबकि मुद्रित विकल्प में आधा घंटा है। अतः (B) भी शब्दशः मूल पाठ से नहीं मिलता; उसे बिना शर्त सही कथन नहीं मानना चाहिए। कार्य के प्रकार को आधार बनाने पर (C) अपेक्षित है, पर अवधि को शब्दशः लेने पर मुद्रित विकल्पों में अस्पष्टता रहती है।

चरण 3: निष्कर्ष आशयगत अपेक्षित उत्तर (C), शाम को खेतों में सिंचाई करना, है। ढोर चराने वाले विकल्प की अवधि में मूल पाठ से

अंतर होने के कारण शाब्दिक अस्पष्टता भी ध्यान में रखनी चाहिए।

त्वरित सुझाव: नहीं शब्द के साथ कार्य और अवधि दोनों जाँचें; यहाँ ढोर चराने की अवधि में मुद्रित अंतर भी ध्यान में रखें।

6(vii). चौथी से पाँचवी कक्षा तक अपनी लगने वाली पाठशाला आनंदा को एकदम पराई जैसी क्यों लगने लगी ? [1 अंक]

(A) सहपाठियों के पास हो आगे की कक्षा में चले जाने के कारण

(B) मास्टर जी के कठोर व्यवहार के कारण

(C) चव्हान के लड़के द्वारा खिल्ली उड़ाने के कारण

(D) नई कक्षा की कठिन पढ़ाई के कारण

सही उत्तर: (A) सहपाठियों के पास हो आगे की कक्षा में चले जाने के कारण

हल:

अवधारणा:

- पढ़ाई में व्यवधान से उत्पन्न अपरिचय।
- उत्तर का निर्धारण संबंधित पाठ के प्रसंग और दिए गए विकल्पों की तुलना से किया जाता है।

चरण 1: प्रसंग को पहचानें आनंदा की पढ़ाई बीच में रुक गई थी। जब वह फिर पाठशाला पहुँचा तो पहले साथ पढ़ने वाले बच्चे आगे की कक्षाओं में चले गए थे। परिचित सहपाठियों का साथ छूटने से अपना जाना-पहचाना वातावरण बदल गया।

चरण 2: कारण और विकल्पों की जाँच करें इसीलिए पहले अपनी लगने वाली पाठशाला उसे पराई जैसी लगने लगी। यहाँ परायापन मुख्यतः पुराने साथियों के न होने से पैदा हुआ है; केवल भवन या पाठ्यक्रम बदलने से उसका संबंध नहीं है। (B) मास्टर के कठोर व्यवहार का कारण इस अनुभव पर लागू नहीं होता। (C) चव्हान के लड़के का उपहास अलग प्रसंग है। (D) कठिन पढ़ाई की अपेक्षा यहाँ पुराने सहपाठियों से बिछुड़ने का भाव निर्णायक है।

चरण 3: निष्कर्ष सहपाठियों के पास होकर आगे की कक्षा में चले जाने के कारण। अतः सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: भावना का कारण चुनते समय पाठ के उसी क्षण की परिस्थिति देखें, बाद की घटनाओं को न मिलाएँ।

6(viii). 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर बताइए कि राखालदास बनर्जी मुअनजो-दड़ो में किसकी खोज करना चाहते थे। [1 अंक]

(A) गढ़

(B) स्नानागार

(C) महाकुंड

(D) बौद्ध स्तूप

सही उत्तर: (D) बौद्ध स्तूप

हल:

अवधारणा:

- खोज का प्रारंभिक लक्ष्य।
- उत्तर का निर्धारण संबंधित पाठ के प्रसंग और दिए गए विकल्पों की तुलना से किया जाता है।

चरण 1: प्रसंग को पहचानें राखालदास बनर्जी मुअनजो-दड़ो में बौद्ध स्तूप की खोज के उद्देश्य से गए थे। पाठ में उनकी प्रारंभिक खोज और बाद में सामने आई अधिक प्राचीन सभ्यता के अवशेषों का संबंध बताया गया है।

चरण 2: कारण और विकल्पों की जाँच करें प्रश्न पूछता है कि वे किसकी खोज करना चाहते थे। इसलिए उत्तर खोज के आरंभिक उद्देश्य

के आधार पर देना है, न कि मुअनजो-दड़ो की उन प्रसिद्ध संरचनाओं के आधार पर जो बाद में उत्खनन में सामने आईं। (A) गढ़, (B) स्नानागार और (C) महाकुंड इस प्राचीन नगर की संरचनाओं से जुड़े नाम हैं। इनमें से कोई भी यहाँ पूछे गए बनर्जी के प्रारंभिक खोज-लक्ष्य का स्थान नहीं लेता।

चरण 3: निष्कर्ष बौद्ध स्तूप। अतः सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: प्रारंभिक खोज का लक्ष्य और उत्खनन में बाद में मिली संरचनाएँ अलग रखकर उत्तर चुनें।

6(x). निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए :
कथन *(A)* : सिंधु घाटी सभ्यता की खूबी उसका सौंदर्यबोध है।
कारण *(R)* : (I) खुदाई के दौरान मिली वस्तुओं से उनकी कला-सिद्धता का ज्ञान होता है।
(II) नगर-नियोजन से उनकी सौंदर्य-प्रियता का ज्ञान होता है। [1 अंक]

(A) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ग़लत हैं।
(C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है।
(D) कथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है।

सही उत्तर: (A) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

हल:

अवधारणा:

- कथन और कारण की सत्यता की अलग-अलग जाँच करके उनके व्याख्यात्मक संबंध का निर्णय करना चाहिए।
- पाठ में सिंधु सभ्यता का सौंदर्यबोध वस्तुओं की कलात्मकता और नगर-व्यवस्था में व्यक्त होता है।

चरण 1: कथन की जाँच कथन सही है। लेखक सिंधु घाटी सभ्यता की विशेषता उसके सौंदर्यबोध में देखता है। वहाँ उपलब्ध वस्तुओं और नगर की व्यवस्था में जीवन को सुंदर तथा सुव्यवस्थित बनाने की चेतना दिखाई देती है।

चरण 2: कारण की जाँच कारण के दोनों अंश सही हैं। खुदाई में मिली वस्तुओं की बनावट कला-सिद्धता दर्शाती है। साथ ही नगर-नियोजन में व्यवस्थित निर्माण और उपयोगिता के साथ सौंदर्य-प्रियता भी प्रकट होती है।

चरण 3: व्याख्यात्मक संबंध दोनों उदाहरण उसी सौंदर्यबोध के ठोस प्रमाण हैं जिसका उल्लेख कथन में है। इसलिए कारण कथन की सही व्याख्या करता है। (B) दोनों को गलत कहता है, (C) कारण को और (D) कथन को गलत कहता है; ये तीनों निर्णय पाठ के विपरीत हैं।

चरण 4: निष्कर्ष कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है। अतः सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: दोनों कारणों को अलग जाँचें और फिर देखें कि वे कथन के सौंदर्यबोध के प्रमाण बनते हैं या नहीं।

7(क). निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :

शहरों में बढ़ती ट्रैफिक जाम की समस्या [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रचनात्मक लेख में विषय का प्रभावशाली आरंभ, अनुभवों और विचारों का क्रमबद्ध विस्तार तथा सार्थक समापन आवश्यक है। शीर्षक संक्षिप्त और विषय के अनुरूप होना चाहिए।
- इस विषय में जाम का दृश्य, उसके कारण, लोगों पर प्रभाव और व्यावहारिक समाधान परस्पर जुड़े हुए हैं। लगभग 120 शब्दों के लेख में इन्हीं पक्षों को संतुलित स्थान देना चाहिए।

चरण 1: प्रारूप और विचारों का चयन लेख को उपयुक्त शीर्षक देकर एक प्रवाहपूर्ण अनुच्छेद में लिखा जा सकता है। आरंभ में लाल बत्ती पर रुके वाहनों का दृश्य लें। फिर निजी वाहनों की वृद्धि, अव्यवस्थित पार्किंग और नियमों की अनदेखी को कारण बनाएँ। समय, स्वास्थ्य तथा पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों के बाद सार्वजनिक परिवहन और नागरिक अनुशासन का सुझाव दें।

चरण 2: अभिव्यक्ति की योजना भाषा सरल, सजीव और विषयकेंद्रित रखें। हॉर्न, धुएँ और रुकी हुई गाड़ियों का उल्लेख दृश्य को जीवंत बनाएगा। कारणों की सूची भर देने के बजाय उन्हें दैनिक जीवन की परेशानी से जोड़ें। समाधान सरकार और नागरिक दोनों की जिम्मेदारी के रूप में आए। निष्कर्ष में यातायात सुधार को सामूहिक प्रयास बताएँ।

चरण 3: पूरा रचनात्मक लेख **शहरों में बढ़ती ट्रैफिक जाम की समस्या**

लाल बत्ती हरी हो चुकी है, फिर भी गाड़ियों की कतार टस से मस नहीं होती। हॉर्न का शोर और धुएँ का गुबार शहर की सुबह का परिचय बन गए हैं। बढ़ते निजी वाहन, संकरी सड़कें, अव्यवस्थित पार्किंग और यातायात नियमों की अनदेखी इस समस्या को गंभीर बनाते हैं। जाम में विद्यार्थियों की कक्षाएँ छूटती हैं, कर्मचारी देर से पहुँचते हैं और एंबुलेंस भी फँस जाती है। समय तथा ईंधन की बर्बादी के साथ प्रदूषण और मानसिक तनाव बढ़ते हैं। समाधान केवल सड़कें चौड़ी करना नहीं है। विश्वसनीय सार्वजनिक परिवहन, साझा यात्रा और सुरक्षित पैदल मार्ग आवश्यक हैं। नागरिक अनुशासन तथा बेहतर यातायात प्रबंधन मिलकर ही शहरों की रुकी हुई रफ्तार को फिर से गति दे सकते हैं।

चरण 4: निष्कर्ष सजीव दृश्य, कारण, प्रभाव और समाधान को जोड़कर विषयानुकूल रचनात्मक लेख पूरा होता है।

त्वरित सुझाव: आरंभ में जाम का एक दृश्य लें और अंत में उसी रुकी रफ्तार को सुधारने का उपाय जोड़ें।

7(ख). निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :

पर्वतीय यात्रा के दौरान जब अचानक भू-स्खलन हुआ [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- अनुभवपरक रचनात्मक लेख में घटना का क्रम, दृश्यात्मक वर्णन और कथावाचक की प्रतिक्रिया मुख्य होते हैं। यहाँ प्रथम पुरुष शैली अनुभव को स्वाभाविक बना सकती है।
- विषय का केंद्र पर्वतीय यात्रा के बीच अचानक आया भू-स्खलन है। यात्रा का आनंद, अचानक संकट, संयमपूर्ण व्यवहार और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का बोध लेख को पूर्ण बनाते हैं।

चरण 1: प्रारूप और विषयवस्तु तय करना संक्षिप्त शीर्षक के बाद घटना का क्रम रखें। आरंभ में पहाड़ों और घाटी का सुंदर दृश्य आए। फिर चट्टानों की गड़गड़ाहट और रास्ता बंद होने से उत्पन्न संकट दिखाएँ। यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर ठहराने और सहायता मिलने का प्रसंग जोड़ें। लगभग 120 शब्दों में घटना के साथ उससे मिली सीख भी समेटें।

चरण 2: दृश्य और भावों का संयोजन वर्णन में शांत वातावरण से भय और फिर राहत की ओर स्वाभाविक परिवर्तन रखें। अनावश्यक दुर्घटनाओं और अतिनाटकीय विवरण से बचें। चालक की सतर्कता, यात्रियों का धैर्य तथा सुरक्षित दूरी बनाए रखना घटना को विश्वसनीय बनाते हैं। अंत में पहाड़ों की सुंदरता के साथ उनकी संवेदनशीलता का सम्मान करने का भाव रखें।

चरण 3: पूरा रचनात्मक लेख **जब पहाड़ अचानक दरक उठा**

हमारी बस घुमावदार सड़क पर आगे बढ़ रही थी। खिड़की से झाँकते देवदार और बादलों से ढकी चोटियाँ मन मोह रही थीं। तभी तेज गड़गड़ाहट सुनाई दी। चालक ने तुरंत बस रोक दी। कुछ ही दूर पहाड़ से पत्थर और मिट्टी सड़क पर गिरने लगे। देखते ही देखते रास्ता मलबे से भर गया। बस में सन्नाटा छा गया; मेरा हृदय तेजी से धड़क रहा था। चालक के निर्देश पर हम सुरक्षित दूरी पर रुके रहे। स्थानीय सहायता दल ने पहुँचकर स्थिति सँभाली और यात्रियों को सुरक्षित स्थान तक पहुँचाया। रास्ता खुलने की प्रतीक्षा में प्रकृति की शक्ति का एहसास हुआ। उस दिन समझ आया कि पर्वत केवल सुंदर दृश्य नहीं, संवेदनशील संसार हैं; उनकी यात्रा में सावधानी और धैर्य हमारे सबसे बड़े साथी हैं।

चरण 4: निष्कर्ष भू-स्खलन की अचानक घटना, यात्रियों की प्रतिक्रिया और सावधानी की सीख से रचनात्मक लेख पूर्ण होता है।

त्वरित सुझाव: सुंदर यात्रा-दृश्य से शुरुआत करके संकट, सुरक्षित प्रतिक्रिया और अनुभव से मिली सीख को क्रम में लिखें।

7(ग). निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :

जब अंतरिक्ष में घर बन जाएँगे [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- अप्रत्याशित विषय पर रचनात्मक लेख में कल्पना, अनुभव और विचार का स्वाभाविक मेल आवश्यक है। अंतरिक्ष में घर बनने की संभावना को मानवीय जीवन की दृष्टि से प्रस्तुत करना इस विषय का केंद्र है।
- लगभग 120 शब्दों के लेख में आकर्षक आरंभ, विषय का क्रमिक विस्तार और प्रभावपूर्ण समापन होना चाहिए। कल्पना के साथ पानी, हवा और पर्यावरण जैसी जीवन की मूल आवश्यकताओं का ध्यान रखना लेख को सार्थक बनाता है।

चरण 1: रूप और विषयवस्तु की योजना विषय को ही शीर्षक बनाएँ। आरंभ में अंतरिक्ष से पृथ्वी देखने का दृश्य रखें, मध्य में वहाँ रहने के साधन और अनुभव बताएँ तथा अंत में पृथ्वी के संरक्षण का संदेश दें। रचनात्मक लेख को पत्र या समाचार के प्रारूप में लिखने की आवश्यकता नहीं है। कल्पनाओं को एक केंद्रीय अनुभव से जोड़ें, जिससे लेख केवल वैज्ञानिक उपकरणों की सूची बनकर न रह जाए।

चरण 2: संपूर्ण आदर्श रचनात्मक लेख **जब अंतरिक्ष में घर बन जाएँगे**

सुबह खिड़की खोलते ही नीली पृथ्वी दिखाई दे, तो कैसा लगेगा! जब अंतरिक्ष में घर बन जाएँगे, हमारा पता किसी शहर के बजाय अंतरिक्ष बस्ती का होगा। बच्चे भारहीनता में तैरते हुए विद्यालय जाएँगे। बंद बगीचों में पौधे भोजन और प्राणवायु देंगे। सौर ऊर्जा घरों को रोशन करेगी तथा पानी की प्रत्येक बूँद दोबारा उपयोग में लाई जाएगी। छुट्टियों में पृथ्वी की यात्रा सबसे अनमोल उपहार होगी। लेकिन वहाँ न मिट्टी की सोंधी गंध होगी, न बरसात में भीगने का सुख। विशाल ब्रह्मांड में अपना छोटा घर देखकर मनुष्य शायद समझेगा कि जीवन कितना दुर्लभ है। अंतरिक्ष की बस्तियाँ हमें नई संभावनाएँ देंगी, पर वे पृथ्वी को सँभालने की जिम्मेदारी से मुक्त नहीं करेंगी। हमारा पहला और सबसे सुंदर घर पृथ्वी ही रहेगी।

चरण 3: निष्कर्ष यह लेख अंतरिक्ष में बसने की कल्पना को जीवन की आवश्यकताओं, मानवीय अनुभूतियों और पृथ्वी के प्रति उत्तरदायित्व से जोड़ता है। शीर्षक के नीचे दिया गया पाठ लगभग 120 शब्दों में पूर्ण रचनात्मक लेख है।

त्वरित सुझाव: इस विषय में एक अंतरिक्ष दृश्य से शुरुआत करें और पृथ्वी से भावनात्मक संबंध पर समाप्त करें; इससे तकनीकी कल्पना को मानवीय संवेदना मिलती है।

7(घ). निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :

स्वप्न में प्रिय हास्य कलाकार से भेंट [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- स्वप्न पर आधारित रचनात्मक लेख में कल्पना को किसी रोचक घटना और स्वाभाविक भावनाओं के माध्यम से व्यक्त किया जाता है। प्रिय हास्य कलाकार से भेंट का प्रसंग मनोरंजन के साथ जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टि भी दे सकता है।
- लेख में संक्षिप्त भूमिका, भेंट का मुख्य प्रसंग और स्वप्न टूटने का प्रभावपूर्ण अंत होना चाहिए। संवाद पात्र को जीवंत बनाता है, पर उसका विस्तार इतना न हो कि लगभग 120 शब्दों की सीमा पीछे छूट जाए।

चरण 1: प्रारूप और घटनाक्रम की योजना विषय को शीर्षक बनाएँ और प्रथम पुरुष में अनुभव लिखें। सोने से पहले हास्य कार्यक्रम देखने की पृष्ठभूमि से स्वप्न का संबंध जोड़ें। कलाकार से छोटी बातचीत और अपने हँसने की घटना मुख्य भाग में रखें। अंत में नींद खुलने पर मिली सीख बताएँ। यह कल्पित भेंट है, इसलिए किसी वास्तविक कलाकार का अप्रमाणित कथन लिखने के बजाय कलाकार को नाम दिए बिना स्वप्न में बातचीत प्रस्तुत की जा सकती है।

चरण 2: संपूर्ण आदर्श रचनात्मक लेख **स्वप्न में प्रिय हास्य कलाकार से भेंट**

कल रात अपना प्रिय हास्य कार्यक्रम देखते हुए मैं सो गया। अचानक लगा कि मैं एक विशाल मंच पर खड़ा हूँ। सामने मेरे प्रिय हास्य कलाकार मुसकरा रहे थे। उन्होंने पूछा, "इतने गंभीर क्यों हो? क्या हँसने पर भी परीक्षा होगी?" मैं खिलखिलाकर हँस पड़ा। उन्होंने मुझे कुर्सी पर बैठाया और मेरी रोजमर्रा की परेशानियाँ पूछीं। मैंने गृहकार्य और परीक्षा का नाम लिया, तो बोले, "चिंता की गठरी छोटी रखो, मेहनत की पोटली बड़ी!" फिर उन्होंने ऐसी मजेदार नकल की कि मेरी हँसी रुक ही नहीं रही थी। तभी माँ की आवाज सुनाई दी और मेरी नींद खुल गई। कलाकार सामने नहीं थे, पर उनकी मुसकान मन में बसी थी। उस स्वप्न ने सिखाया कि कठिनाइयों के बीच भी हँसने का अवसर खोजना चाहिए।

चरण 3: निष्कर्ष इस आदर्श लेख में स्वप्न का आरंभ, प्रिय कलाकार से रोचक भेंट, संवाद और नींद खुलने का समापन क्रमबद्ध हैं। लगभग 120 शब्दों का मुख्य लेख हास्य को जीवन की सकारात्मक सीख से जोड़ता है।

त्वरित सुझाव: स्वप्न वाले विषय में जागने के क्षण को अंत में रखें और एक छोटा रोचक संवाद जोड़ें, ताकि घटना सजीव लगे तथा लेख बिखरे नहीं।

8(क). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

कहानी के वे कौन-से तत्त्व हैं जो नाट्य रूपांतरण करते समय दृश्यों में नहीं ढल पाते ? इन्हें नाटक में किस प्रकार स्थान दिया जा सकता है ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- कहानी में कथावाचक वर्णन द्वारा बाहरी घटनाओं के साथ पात्रों के मनोभाव और विचार भी प्रकट कर सकता है।
- नाटक में कथ्य मुख्यत: पात्रों के अभिनय, संवाद और मंचीय क्रिया से दर्शकों तक पहुँचता है।

चरण 1: अदृश्य तत्त्वों की पहचान लेखक की टिप्पणियाँ, पात्रों के मन में चलने वाला अंतर्द्वंद्व, चिंतन तथा लंबा वातावरण-वर्णन अपने मूल कथात्मक रूप में मंच पर दिखाई नहीं देते। यहाँ कठिनाई केवल दृश्य बदलने की नहीं, वर्णन को मंच पर अनुभव कराने योग्य बनाने की है। इसलिए कहानी के प्रत्येक वाक्य को ज्यों का त्यों संवाद बना देना उचित नहीं है। उदाहरण के लिए, पात्र की बेचैनी को केवल कथावाचक से कहलाने के बजाय उसके अस्थिर हावभाव, मौन या स्वगत कथन से व्यक्त किया जा सकता है। साधन का चयन मूल भाव को स्पष्ट करने के लिए हो, कथा में नया तथ्य जोड़ने के लिए नहीं।

चरण 2: लगभग 60 शब्दों में उत्तर कहानी में लेखक की टिप्पणियाँ, पात्रों के अंतर्मन के विचार, भावनाएँ, मनोवैज्ञानिक विश्लेषण और विस्तृत वर्णन सीधे दृश्यों में नहीं ढल पाते। इन्हें पात्रों के संवाद, स्वगत कथन तथा आवश्यकतानुसार सूत्रधार के माध्यम से व्यक्त किया जा सकता है। भावनाओं को अभिनय, हावभाव और मौन से तथा परिवेश को मंच-सज्जा, प्रकाश और ध्वनि-संकेतों से प्रभावी रूप दिया

जा सकता है।

चरण 3: निष्कर्ष अदृश्य मानसिक और वर्णनात्मक तत्त्वों को संवाद, स्वगत, अभिनय तथा उपयुक्त मंचीय संकेतों में बदलकर नाटक में स्थान दिया जाता है।

त्वरित सुझाव: पहले कहानी का अदृश्य तत्त्व लिखें, फिर उसके सामने उपयुक्त नाटकीय साधन बताएँ; जैसे अंतर्द्वंद्व के लिए स्वगत कथन।

8(ख). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :
रेडियो नाटक के लिए संवाद लिखते समय क्या सावधानी बरतनी चाहिए ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रेडियो श्रव्य माध्यम है; श्रोता मंच, पात्रों की वेशभूषा या उनकी गतिविधियाँ देख नहीं सकता।
- संवाद पात्रों की पहचान, परिस्थिति और घटनाक्रम स्पष्ट करें; ध्वनि प्रभाव तथा मौन उनके अर्थ को सुदृढ़ करें।

चरण 1: श्रव्य माध्यम की आवश्यकता समझना मंचीय नाटक में दिखाई देने वाले हावभाव और दृश्य रेडियो पर उपलब्ध नहीं होते। इसलिए संवाद सुनकर ही यह स्पष्ट होना चाहिए कि कौन बोल रहा है, किससे बोल रहा है और घटना कहाँ घट रही है। फिर भी पात्रों से अस्वाभाविक विवरण बुलवाना या लंबे भाषण दिलवाना नाटक की गति रोक देता है। पात्रों के स्वर और बोलने के ढंग में अंतर रखने से उनकी पहचान सहज होती है। दृश्य परिवर्तन का संकेत भी ध्वनि या स्वाभाविक बातचीत से देना चाहिए। केवल दृश्य देखने पर समझ आने वाली क्रिया को बिना श्रव्य संकेत के छोड़ देने से श्रोता कथाक्रम से कट सकता है।

चरण 2: लगभग 60 शब्दों में उत्तर रेडियो नाटक के संवाद सरल, छोटे, स्वाभाविक, रोचक और पात्रानुकूल होने चाहिए। उनसे पात्रों का परिचय, स्थान, परिस्थिति तथा घटनाक्रम स्पष्ट हो, क्योंकि श्रोता दृश्य नहीं देखता। वक्ता बदलने पर पहचान में भ्रम न हो। लंबे भाषण, कठिन शब्द और अनावश्यक दोहराव से बचें। संवादों के साथ उचित विराम, स्वर-परिवर्तन और ध्वनि-संकेत रखें, ताकि कथा सहजता से समझ में आए।

चरण 3: निष्कर्ष रेडियो नाटक के संवाद सुनते ही समझ आने वाले, संक्षिप्त, पात्रानुकूल और परिस्थिति को स्पष्ट करने वाले होने चाहिए।

त्वरित सुझाव: रेडियो का उत्तर लिखते समय सोचें कि आँखें बंद करके केवल संवाद सुनने पर पात्र और घटनाएँ स्पष्ट हो रही हैं या नहीं।

8(ग). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :
कहानी को नाटक में रूपांतरित करने हेतु किन्हीं तीन आवश्यक बिंदुओं का उल्लेख कीजिए। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- नाट्य रूपांतरण में कहानी के केंद्रीय कथ्य को बनाए रखते हुए उसे मंच पर प्रस्तुत करने योग्य बनाया जाता है।
- कथानक का दृश्य-विभाजन, पात्रानुकूल संवाद और मंचीय व्यवहार्यता रूपांतरण के आवश्यक आधार हैं।

चरण 1: तीन अलग आवश्यक बिंदु चुनना पहला बिंदु कथा के चयन और संगठन से, दूसरा पात्रों तथा संवादों से और तीसरा मंचन की सीमाओं से संबंधित रखा जा सकता है। इससे उत्तर में एक ही बात तीन प्रकार से दोहराई नहीं जाती। कहानी का भाव और संघर्ष सुरक्षित रहें, पर अनावश्यक प्रसंग हटाकर घटनाओं को नाटकीय गति देना आवश्यक है। दृश्य-योजना बनाते समय हर दृश्य का उद्देश्य स्पष्ट होना चाहिए। संवादों से कथा आगे बढ़े और पात्र का स्वभाव उभरे। ऐसे लंबे वर्णन या बार-बार स्थान परिवर्तन, जिन्हें मंच पर प्रस्तुत करना कठिन हो, उपयुक्त नाटकीय संकेतों में संक्षिप्त किए जा सकते हैं।

चरण 2: लगभग 60 शब्दों में उत्तर कहानी के नाट्य रूपांतरण में तीन बिंदु आवश्यक हैं। पहला, मूल कथ्य और संघर्ष सुरक्षित रखते

हुए कथानक को समय, स्थान और घटनाओं के अनुसार दृश्यों में बाँटना। दूसरा, वर्णन तथा मनोभावों को पात्रानुकूल संवादों, स्वगत और अभिनय में बदलना। तीसरा, मंच की सीमाओं को ध्यान में रखकर पात्र-संख्या, दृश्य-परिवर्तन, मंच-सज्जा, प्रकाश और ध्वनि की व्यावहारिक व्यवस्था करना।

चरण 3: निष्कर्ष कथानक का उपयुक्त दृश्य-विभाजन, वर्णन का संवाद और अभिनय में रूपांतरण तथा मंचीय साधनों की व्यावहारिक योजना तीन आवश्यक बिंदु हैं।

त्वरित सुझाव: तीन बिंदुओं के लिए क्रम याद रखें: कथा कैसे बाँटें, पात्र कैसे बोलें और घटनाएँ मंच पर कैसे प्रस्तुत हों।

9(क). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए :
रेडियो और टी.वी. के लिए समाचार लिखते समय किन-किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए ? [4 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रेडियो श्रव्य माध्यम है; इसलिए समाचार सुनते ही समझ में आना चाहिए। श्रोता पढ़ने की तरह पीछे लौटकर किसी वाक्य को दोबारा नहीं देख सकता।
- टेलीविजन में शब्द और दृश्य मिलकर सूचना देते हैं। समाचार की भाषा सरल, तथ्यपरक और दृश्य के अनुकूल होनी चाहिए।

चरण 1: माध्यम के अनुसार भाषा और तथ्य चुनना इस उत्तर में रेडियो तथा टेलीविजन दोनों की जरूरतों को शामिल करना है। छोटे वाक्य, परिचित शब्द, सहज उच्चारण और एक वाक्य में एक प्रमुख सूचना सुनकर समझने में सहायता देते हैं। व्यक्ति, स्थान, समय और आँकड़ों की शुद्धता जाँचना भी आवश्यक है। टीवी के लिए दृश्य तथा कथन का तालमेल अलग से स्पष्ट किया जाना चाहिए। समाचार लिखते समय यह भी देखें कि आरंभ की सूचना आगे के विवरण को समझने में सहायक हो। रेडियो के श्रोता के सामने दृश्य नहीं होता, इसलिए संकेत अस्पष्ट न हों। टीवी में दृश्य से अलग या विरोधी बात कहने से अर्थ भ्रमित हो जाता है। उत्तर में इन माध्यमगत अंतरों को सामान्य भाषा-नियमों के साथ जोड़ना आवश्यक है।

चरण 2: लगभग 80 शब्दों में उत्तर रेडियो और टी.वी. के समाचारों की भाषा सरल, बोलचाल की और स्पष्ट होनी चाहिए। छोटे वाक्यों में एक ही प्रमुख सूचना दें। कठिन शब्दों, लंबे आँकड़ों और जटिल वाक्यों से बचें। तथ्यों, नामों और उच्चारण की शुद्धता जाँचें। मुख्य सूचना पहले रखें और निर्धारित समय का ध्यान रखें। रेडियो में शब्दों से घटना का स्पष्ट चित्र बने। टी.वी. में दृश्य और कथन का तालमेल हो; दिखाई दे रही बात को अनावश्यक न दोहराएँ। समाचार निष्पक्ष, विश्वसनीय और सहज बोधगम्य हों।

चरण 3: निष्कर्ष समाचार लेखन में सरलता, तथ्यगत शुद्धता और समय की सीमा के साथ रेडियो की श्रव्यता तथा टेलीविजन के दृश्य-कथन संबंध का ध्यान रखना चाहिए।

त्वरित सुझाव: उत्तर में पहले दोनों माध्यमों के साझा भाषा-नियम लिखें, फिर रेडियो के लिए श्रव्य स्पष्टता और टीवी के लिए दृश्य-कथन का तालमेल जोड़ें।

9(ख). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए :

पत्रकारिता के क्षेत्र में विशेष लेखन से क्या अभिप्राय है ? विशेष लेखन की भाषा और शैली सामान्य लेखन से अलग क्यों होती है ?

[4 अंक]

हल:

अवधारणा:

- विशेष लेखन किसी निश्चित क्षेत्र के विषय पर केंद्रित पत्रकारिता है। इसमें संबंधित क्षेत्र के ज्ञान, संदर्भ और विशेषज्ञ स्रोतों की सहायता ली जाती है।
- विषय की प्रकृति, तकनीकी शब्दावली और पाठकों की सूचना-संबंधी जरूरतें भाषा तथा शैली को प्रभावित करती हैं।

चरण 1: अर्थ तथा भिन्नता का कारण निर्धारित करना प्रश्न के दो हिस्से हैं: विशेष लेखन का अर्थ और उसकी भाषा-शैली अलग होने का कारण। खेल, अर्थव्यवस्था, विज्ञान तथा स्वास्थ्य जैसे उदाहरण अर्थ स्पष्ट करते हैं। शैली का अंतर लेखक की मनमानी से नहीं, विषय की विशिष्ट जानकारी, पारिभाषिक शब्दों और विश्लेषण की आवश्यकता से पैदा होता है। विशेषज्ञता के साथ पाठक के लिए स्पष्टता भी बनी रहनी चाहिए। उदाहरण के लिए आर्थिक खबर में आँकड़ों का अर्थ और विज्ञान की खबर में प्रक्रिया का स्पष्टीकरण जरूरी हो सकता है। कठिन पारिभाषिक शब्द का अर्थ बताना पाठक की समझ बढ़ाता है।

चरण 2: लगभग 80 शब्दों में उत्तर पत्रकारिता में किसी विशेष क्षेत्र या विषय पर केंद्रित लेखन को विशेष लेखन कहते हैं। खेल, अर्थव्यवस्था, विज्ञान और स्वास्थ्य इसके उदाहरण हैं। इसमें विषय का गहरा ज्ञान, शोध तथा विशेषज्ञ स्रोतों की सहायता आवश्यक होती है। इसकी भाषा और शैली सामान्य लेखन से अलग होती है, क्योंकि प्रत्येक क्षेत्र की अपनी पारिभाषिक शब्दावली, अवधारणाएँ और प्रस्तुति की जरूरतें होती हैं। पाठकों की रुचि और जानकारी का स्तर भी भिन्न होता है। इसलिए तथ्यों की व्याख्या और विश्लेषण विषयानुकूल, किंतु स्पष्ट भाषा में किया जाता है।

चरण 3: निष्कर्ष विशेष लेखन विषयगत विशेषज्ञता पर आधारित पत्रकारिता है; उसकी भाषा और शैली विषय, पारिभाषिक शब्दावली तथा लक्षित पाठकों की आवश्यकता के अनुसार बनती है।

त्वरित सुझाव: उत्तर को दो हिस्सों में रखें: पहले विशेष लेखन की परिभाषा और उदाहरण दें, फिर शब्दावली, विश्लेषण और पाठकों के आधार पर शैली का अंतर समझाएँ।

9(ग). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए :

जनसंचार के आधुनिक माध्यमों में से सबसे पुराने माध्यम की दो खूबियाँ और दो कमियाँ लिखिए। [4 अंक]

हल:

अवधारणा:

- आधुनिक जनसंचार माध्यमों में समाचारपत्र और पत्रिकाएँ अर्थात मुद्रित माध्यम सबसे पुराने हैं। इनकी तुलना में रेडियो, टेलीविज़न और इंटरनेट का विकास बाद में हुआ।
- माध्यम की विशेषताओं का मूल्यांकन करते समय सूचना के स्थायित्व, पाठक की सुविधा, पहुँच और तत्काल समाचार देने की क्षमता को देखना चाहिए।

चरण 1: सबसे पुराने माध्यम की पहचान यहाँ सबसे पुराने आधुनिक माध्यम से आशय मुद्रित माध्यम है। इसके अंतर्गत समाचारपत्र और पत्रिकाएँ आते हैं। उत्तर में इसी माध्यम की ठीक दो खूबियाँ और दो कमियाँ अलग-अलग बतानी चाहिए।

चरण 2: उत्तर के आधार की व्याख्या दोबारा पढ़ सकना और संदर्भ के लिए सहेज सकना अलग सुविधाएँ हैं। पहली पाठक को कठिन विवरण समझने का समय देती है, दूसरी सूचना का अभिलेख उपलब्ध कराती है। इसके विपरीत श्रव्य माध्यम निरक्षर श्रोता तक भी पहुँच सकता है। मुद्रित समाचार प्रकाशन के निश्चित अंतराल के कारण घटना घटते ही नया विवरण नहीं पहुँचा पाता।

चरण 3: लगभग 80 शब्दों में उत्तर आधुनिक जनसंचार माध्यमों में सबसे पुराना मुद्रित माध्यम है। इसकी दो खूबियाँ हैं—पहली, पाठक अपनी सुविधा और गति से समाचार पढ़ सकता है तथा कठिन अंश दोबारा समझ सकता है। दूसरी, प्रकाशित सामग्री को सुरक्षित रखकर

भविष्य में प्रमाण और संदर्भ के रूप में उपयोग किया जा सकता है। इसकी दो कमियाँ हैं—पहली, निरक्षर व्यक्ति इसका सीधे उपयोग नहीं कर सकते। दूसरी, मुद्रण और वितरण में समय लगता है, इसलिए यह रेडियो, टेलीविज़न या इंटरनेट की तरह घटनाओं की तत्काल सूचना नहीं दे सकता।

चरण 4: निष्कर्ष मुद्रित माध्यम का स्थायित्व और सुविधानुसार पठन इसकी खूबियाँ हैं; साक्षरता पर निर्भरता और तत्काल सूचना न दे पाना इसकी कमियाँ हैं।

त्वरित सुझाव: उत्तर में माध्यम का नाम पहले लिखें, फिर दो खूबियाँ और दो कमियाँ स्पष्ट क्रम में रखें।

10(क). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :
'मेरा जीवन विरुद्धों का सामंजस्य है।' 'आत्मपरिचय' कविता के संदर्भ में इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- हरिवंश राय बच्चन की कविता आत्मपरिचय में कवि के निजी जीवन, प्रेम, पीड़ा और संसार के साथ संबंध का चित्रण है।
- विरुद्धों का सामंजस्य का अर्थ परस्पर विरोधी प्रतीत होने वाले अनुभवों और भावों का एक ही व्यक्तित्व में सह-अस्तित्व है।

चरण 1: कथन का संदर्भ समझना कवि संसार का भार और दायित्व महसूस करता है, फिर भी सांसारिक मान्यताओं के अनुसार नहीं जीता। जीवन की पीड़ा उसके भीतर है, किंतु वह प्रेम और मस्ती का गीत गाता है। विरोधी अनुभव उसे खंडित नहीं करते, बल्कि उसके व्यक्तित्व को समृद्ध बनाते हैं।

चरण 2: उत्तर के आधार की व्याख्या कवि की संसार के प्रति उदासीनता का अर्थ प्रेमहीन होना नहीं है। वह अपने हृदय में स्नेह रखता है, पर संसार की स्वीकृति को जीवन का लक्ष्य नहीं बनाता। इसी तरह उसका गान पीड़ा के अभाव का संकेत नहीं है; वह पीड़ा को रचनात्मक अभिव्यक्ति देता है। इसलिए इन भावों को परस्पर असंगत मानना उचित नहीं होगा।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में उत्तर आत्मपरिचय में कवि का जीवन विरोधी भावों का समन्वय है। वह संसार का भार सँभालता है, फिर भी संसार की परवाह नहीं करता। उसके हृदय में रोदन है, लेकिन वाणी में राग है। वह जीवन की पीड़ा के साथ प्रेम और मस्ती लेकर चलता है। इस प्रकार दुख-सुख, लगाव-विरक्ति और रोदन-गान उसके व्यक्तित्व में साथ-साथ विद्यमान हैं।

चरण 4: निष्कर्ष कवि के भीतर पीड़ा और आनंद तथा संसार से जुड़ाव और उसकी रूढ़ियों से दूरी एक साथ हैं; यही विरुद्धों का सामंजस्य है।

त्वरित सुझाव: केवल विरोधी भाव गिनाने के बजाय बताइए कि वे कवि के जीवन में एक साथ कैसे उपस्थित हैं।

10(ख). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :
'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के आधार पर सिद्ध कीजिए कि मीडिया का सामाजिक सरोकार मात्र एक दिखावा है। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रघुवीर सहाय की कविता कैमरे में बंद अपाहिज में टेलीविज़न कार्यक्रम के माध्यम से व्यावसायिक मीडिया की संवेदनहीनता पर व्यंग्य है।
- वास्तविक सामाजिक सरोकार में पीड़ित की गरिमा और उसकी सहायता केंद्र में होते हैं; कविता का संचालक उसकी पीड़ा को प्रदर्शन की वस्तु बनाता है।

चरण 1: कार्यक्रम के उद्देश्य और व्यवहार की तुलना कार्यक्रम स्वयं को सामाजिक उद्देश्य वाला बताता है, लेकिन संचालक अपाहिज व्यक्ति की परिस्थिति समझने या सहायता करने पर ध्यान नहीं देता। वह बार-बार ऐसे प्रश्न करता है जिनसे व्यक्ति का दुख दर्शकों के

सामने उभरे। उसकी प्राथमिकता कैमरे के लिए प्रभावशाली दृश्य पाना है।

चरण 2: उत्तर के आधार की व्याख्या इस व्यंग्य का केंद्र दुखी व्यक्ति नहीं, उसे तमाशा बनाने वाली कार्यक्रम-प्रणाली है। दर्शक को भावुक बनाना अपने-आप में सहायता नहीं है। कविता इसी अंतर को रेखांकित करके मीडिया के घोषित उद्देश्य की सच्चाई पर प्रश्न उठाती है।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में उत्तर कविता में मीडिया सामाजिक उद्देश्य का दावा करता है, पर अपाहिज की सहायता के स्थान पर उसकी पीड़ा का प्रदर्शन करता है। संचालक असंवेदनशील प्रश्न पूछकर उसे रुलाना चाहता है। कैमरा उसके दुखते चेहरे और आँखों को बड़ा करके दिखाता है, ताकि दर्शक भी रो पड़ें। व्यक्ति की गरिमा की उपेक्षा और करुणा का यह व्यापार सामाजिक सरोकार के दिखावे को उजागर करता है।

चरण 4: निष्कर्ष कार्यक्रम में अपाहिज की सहायता के बजाय उसके दुख से भावुक दृश्य बनाना लक्ष्य है; इसलिए उसका घोषित सामाजिक सरोकार खोखला सिद्ध होता है।

त्वरित सुझाव: दावे और व्यवहार का अंतर दिखाएँ: सामाजिक उद्देश्य का दावा, रुलाने वाले प्रश्न और कैमरे के लिए पीड़ा का प्रदर्शन।

10(ग). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

'बादल राग' कविता में बादल किसका प्रतीक है ? बादलों का आह्वान समाज का कौन-सा वर्ग करता है और क्यों ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- बादल का प्रतीकात्मक अर्थ उसकी गर्जना, विनाश और नवजीवन देने की क्षमता से स्पष्ट होता है।
- कविता में किसान का शोषित जीवन और परिवर्तन की आशा बादल के आह्वान का आधार हैं।

चरण 1: प्रतीक का अर्थ समझिए बादल क्रांति और सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक है। उसका गर्जन शोषण पर आधारित व्यवस्था को चुनौती देता है। वर्षा से धरती को नया जीवन मिलता है; इसी प्रकार क्रांति से पीड़ित जनता के जीवन में नई शक्ति आती है। इसलिए बादल का रूप केवल प्राकृतिक सौंदर्य तक सीमित नहीं रहता। बादल का विध्वंस अन्यायपूर्ण व्यवस्था के लिए है; पीड़ित जनता के लिए वह आशा और निर्माण का संदेश लाता है।

चरण 2: आह्वान करने वाले वर्ग और कारण को जोड़िए कविता का कृषक श्रम करने पर भी अभावग्रस्त है। उसकी शारीरिक दुर्बलता और जीवन से रस चूस लिये जाने का चित्र शोषण को प्रकट करता है। वह बादल को विप्लव का वीर मानकर बुलाता है। उसे ऐसे परिवर्तन की अपेक्षा है जो अत्याचार समाप्त करे और उसकी आजीविका तथा सम्मान की रक्षा करे।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में उत्तर बादल क्रांति और नवजीवन का प्रतीक है। उसका गर्जन शोषक व्यवस्था को चुनौती देता है और वर्षा नई सृष्टि का आधार बनती है। उसका आह्वान शोषित किसान तथा श्रमजीवी वर्ग करता है। निरंतर परिश्रम के बावजूद उसका जीवन अभावग्रस्त है। वह चाहता है कि क्रांति शोषण समाप्त करके उसे जीवन, अन्न और सम्मान दे।

चरण 4: निष्कर्ष अत: बादल में शोषित कृषक वर्ग अपनी मुक्ति और नए सामाजिक जीवन की आशा देखता है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में पहले क्रांति का प्रतीक स्पष्ट कीजिए, फिर कृषक की दुर्दशा को उसके आह्वान का कारण बनाइए।

11(क). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :
तुलसीदासकृत चौपाइयों के आधार पर तत्कालीन समाज में नारी की स्थिति स्पष्ट कीजिए। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- साहित्यिक कथन के आधार पर तत्कालीन सामाजिक दृष्टि की पहचान करनी चाहिए।
- राम के विलाप में पत्नी और भाई की तुलना तत्कालीन पितृसत्तात्मक मूल्यबोध को प्रकट करती है।

चरण 1: चौपाई का आशय पहचानिए राम लक्ष्मण के वियोग की आशंका में पत्नी की हानि से भाई की हानि को अधिक गंभीर बताते हैं। स्त्री और परिवार के पुनः प्राप्त हो सकने की धारणा व्यक्त होती है। यह प्रसंग भाई के प्रति उनके गहरे प्रेम का भी परिचायक है। यहाँ निष्कर्ष चौपाइयों की सामाजिक दृष्टि का है, समस्त स्त्रियों के वास्तविक गुणों का नहीं।

चरण 2: लगभग 40 शब्दों में उत्तर चौपाइयों में नारी की स्थिति पुरुष की तुलना में गौण दिखाई देती है। पत्नी की हानि को विशेष क्षति न मानना और उसे पुनः प्राप्त होने योग्य समझना पितृसत्तात्मक दृष्टि दर्शाता है। इससे तत्कालीन समाज में नारी के स्वतंत्र व्यक्तित्व का सीमित सम्मान स्पष्ट होता है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः इन चौपाइयों से तत्कालीन समाज में स्त्री की गौण और पुरुष पर निर्भर सामाजिक स्थिति का संकेत मिलता है।

त्वरित सुझाव: उत्तर को चौपाइयों में व्यक्त पत्नी और भाई की तुलना पर टिकाइए; असंबद्ध सामाजिक प्रथाओं की सूची मत दीजिए।

11(ख). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :
'घुटनियों में लेके है पिन्हाती कपड़े' पंक्ति के माध्यम से माँ के व्यक्तित्व की कौन-सी विशेषता प्रकट होती है ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- काव्यपंक्ति में चित्रित माँ की क्रिया से उसके स्वभाव का निष्कर्ष निकालना चाहिए।
- बच्चे को गोद और घुटनों में सँभालना मातृत्व के स्नेह और संरक्षण का सजीव बिंब है।

चरण 1: क्रिया और भाव का संबंध समझिए माँ नन्हे बच्चे को अपने घुटनों में सँभालकर कपड़े पहनाती है। इस क्रिया में बच्चे की असहाय अवस्था के प्रति उसकी सजगता प्रकट होती है। वह बच्चे को सुरक्षित रखते हुए उसका दुलार और देखभाल करती है; घरेलू कार्य यहाँ ममता का सजीव दृश्य बन जाता है। इस छोटे दृश्य में माँ और बच्चे के आत्मीय संबंध की कोमलता भी उभरती है।

चरण 2: लगभग 40 शब्दों में उत्तर इस पंक्ति से माँ की ममता, स्नेहशीलता और देखभाल करने की प्रवृत्ति प्रकट होती है। वह बच्चे को घुटनों में सँभालकर बड़े प्यार से कपड़े पहनाती है। उसकी यह सहज क्रिया बच्चे की सुविधा और सुरक्षा के प्रति उसके वात्सल्यपूर्ण समर्पण को दर्शाती है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः माँ का वात्सल्य और बच्चे की स्नेहपूर्वक देखभाल इस पंक्ति की प्रमुख विशेषता है।

त्वरित सुझाव: माँ के गुण लिखते समय घुटनों में सँभालकर कपड़े पहनाने की क्रिया से हर गुण का संबंध स्पष्ट रखिए।

11(ग). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

'बात सीधी थी पर' कविता के आधार पर भाषा और पेंच की समानता लिखिए। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- कवि पेंच के रूपक से भाषा के उचित प्रयोग का महत्त्व समझाता है।
- अनावश्यक कसाव पेंच की पकड़ और कृत्रिम जटिलता भाषा की संप्रेषण शक्ति को नष्ट करती है।

चरण 1: रूपक का आधार स्पष्ट कीजिए पेंच को सही ढंग और उचित सीमा तक कसने से उसकी पकड़ बनी रहती है। उसे जबरदस्ती कसते रहने पर उसकी चूड़ियाँ बिगड़ जाती हैं। इसी तरह सहज बात को प्रभावशाली बनाने के लिए भाषा में अनावश्यक प्रयोग करने से उसका अर्थ और सहजता खो सकते हैं। कविता सहज कथन और अर्थ की रक्षा के लिए शब्दों के संयमित प्रयोग का समर्थन करती है।

चरण 2: लगभग 40 शब्दों में उत्तर भाषा और पेंच दोनों का उचित ढंग से प्रयोग आवश्यक है। अधिक कसने पर पेंच की चूड़ियाँ बिगड़ जाती हैं और उसकी पकड़ समाप्त हो जाती है। इसी प्रकार अनावश्यक जटिलता और शब्दाडंबर से भाषा की सहजता, अर्थ की स्पष्टता तथा संप्रेषण की शक्ति नष्ट होती है।

चरण 3: निष्कर्ष अत: उचित प्रयोग दोनों को उपयोगी रखता है, जबकि अनावश्यक जोर उनकी पकड़ और प्रभाव को नष्ट करता है।

त्वरित सुझाव: समानता बताते हुए पेंच की पकड़ को भाषा की अर्थ-संप्रेषण क्षमता से जोड़िए, केवल कठिन भाषा की आलोचना न लिखिए।

12(क). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

'कोई भी व्यक्ति सर्वगुण संपन्न नहीं होता, भक्तिन भी इसका अपवाद नहीं थी।' भक्तिन के जीवन के आधार पर इस कथन को सिद्ध कीजिए। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- चरित्र का मूल्यांकन उसके गुणों और कमियों दोनों के प्रमाण से किया जाता है।
- भक्तिन की निष्ठा और परिश्रम उसकी मानवीय दुर्बलताओं को समाप्त नहीं करते।

चरण 1: भक्तिन के गुणों को स्वीकार कीजिए भक्तिन परिश्रमी, स्वाभिमानी और सेवाभावी स्त्री है। महादेवी के प्रति उसका लगाव और कठिन परिस्थितियों में साथ निभाने की तत्परता उसे विशिष्ट बनाती है। किंतु लेखिका ने उसके चरित्र को आदर्श बनाने के लिए उसकी कमियों पर पर्दा नहीं डाला है। इन प्रसंगों में वह अपनी कमजोरियों के लिए तर्क भी देती है; इससे उसके स्वभाव की जटिलता सामने आती है।

चरण 2: पाठ से कमियों के प्रमाण दीजिए भक्तिन लेखिका के इधर-उधर पड़े पैसे उठाकर मटकी में रख देती है और इसे चोरी नहीं मानती। लेखिका के अप्रसन्न होने से बचने के लिए बात बदल देती है तथा अपने कथन को झूठ मानने से इनकार करती है। वह अपनी मान्यताओं में हठी है और दूसरों को अपने अनुकूल बनाना चाहती है।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में उत्तर भक्तिन निष्ठावान, परिश्रमी और सेवाभावी थी, पर उसमें मानवीय कमजोरियाँ भी थीं। वह लेखिका के इधर-उधर रखे पैसे उठाकर मटकी में रख लेती और इसे चोरी नहीं मानती थी। अप्रसन्नता से बचने के लिए बात बदल देती थी। अपनी मान्यताओं पर अड़ी रहती और दूसरों को अपने अनुकूल बनाना चाहती थी। इसलिए वह सर्वगुणसंपन्न नहीं थी।

चरण 4: निष्कर्ष अत: भक्तिन के गुणों के साथ उसकी हठधर्मिता, पैसे रखने की आदत और बात बदलने की प्रवृत्ति उसे यथार्थ मानवीय चरित्र बनाती हैं।

त्वरित सुझाव: भक्तिन की कमियाँ पाठ की विशिष्ट घटनाओं से सिद्ध कीजिए और उसके सेवाभाव को भी स्वीकार करके संतुलित मूल्यांकन कीजिए।

12(ख). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

बाज़ार की चकाचौंध का व्यक्ति के मन-मस्तिष्क पर क्या प्रभाव पड़ता है ? इस चकाचौंध से किस प्रकार बचा जा सकता है ? 'बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर लिखिए। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- बाज़ार का आकर्षण मनुष्य की इच्छाओं और विवेक के बीच संघर्ष पैदा करता है।
- मन की स्पष्टता और आवश्यकता की पहचान उपभोक्तावादी आकर्षण से बचाती है।

चरण 1: चकाचौंध का प्रभाव समझिए जैनेंद्र कुमार के अनुसार बाज़ार में आकर्षक वस्तुओं की सजावट ऐसा जादू पैदा करती है कि व्यक्ति अपनी वास्तविक ज़रूरत भूल जाता है। उसे हर वस्तु उपयोगी और वांछनीय दिखाई देने लगती है। भरा हुआ बाज़ार उसके भीतर अभाव का अनुभव उत्पन्न करता है और वह अनावश्यक खरीदारी के लिए प्रेरित होता है। इसीलिए केवल अधिक धन होना विवेकपूर्ण खरीदारी की गारंटी नहीं है।

चरण 2: बचाव का आधार पहचानिए लेखक मन को खाली रखकर बाज़ार जाने से सावधान करते हैं। यहाँ मन भरा होने का अर्थ किसी निश्चित उद्देश्य और अपनी आवश्यकताओं की स्पष्ट जानकारी से है। भगत जी अपनी ज़रूरत की वस्तु खरीदते हैं और दूसरी वस्तुओं के आकर्षण में नहीं पड़ते। उनका उदाहरण संयम और संतोष का महत्त्व स्पष्ट करता है।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में उत्तर बाज़ार की चकाचौंध व्यक्ति का विवेक हर लेती है। उसे अनावश्यक वस्तुएँ भी ज़रूरी लगने लगती हैं और अपने पास की वस्तुएँ अपर्याप्त प्रतीत होती हैं। इससे लोभ, असंतोष और अनावश्यक खरीदारी बढ़ती है। बचने के लिए अपनी वास्तविक आवश्यकताएँ स्पष्ट रखकर बाज़ार जाना चाहिए। भगत जी की तरह संयम, संतोष और निश्चित उद्देश्य बाज़ार के जादू से रक्षा करते हैं।

चरण 4: निष्कर्ष बाज़ार का आकर्षण आवश्यकता की स्पष्ट पहचान और आत्मसंयम से निष्प्रभावी होता है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में पहले मानसिक प्रभाव, फिर आवश्यकता और संयम पर आधारित बचाव लिखिए।

12(ग). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

'महाकाल देवता सपासप कोड़े चला रहे हैं, जीर्ण और दुर्बल झड़ रहे हैं, जिनमें प्राणकण थोड़ा भी ऊर्ध्वमुखी है, वे टिक जाते हैं।' 'शिरीष के फूल' पाठ से उद्धृत इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- प्रकृति का चित्र मानवीय जीवन के संघर्ष और जिजीविषा का प्रतीक बनता है।
- ऊर्ध्वमुखी प्राणकण जीवन की सक्रियता, विकासशीलता और प्रतिकूलता में टिकने की शक्ति व्यक्त करता है।

चरण 1: प्रतीकों का अर्थ खोलिए महाकाल समय और परिवर्तन की विराट शक्ति का प्रतीक है। उसके कोड़े भीषण गर्मी और लू जैसी कठोर परिस्थितियों की ओर संकेत करते हैं। जीर्ण और दुर्बल का झड़ना बताता है कि जड़ता तथा निष्क्रियता लेकर जीवन के संघर्ष में टिकना कठिन है। यहाँ केवल वृक्षों का वर्णन नहीं, जीवन का व्यापक सत्य भी व्यक्त हुआ है।

चरण 2: शिरीष से जीवन का संदेश जोड़िए शिरीष कठिन गर्मी में भी फूलता रहता है। उसका यह रूप प्रतिकूलता के सामने हार मानने के बजाय जीवन के प्रति आस्था बनाए रखने की प्रेरणा देता है। ऊर्ध्वमुखी होना आगे बढ़ने और ऊपर उठने की आकांक्षा है। लेखक इस जीवंत शक्ति को टिके रहने का आधार बताते हैं; वे विपत्ति को निष्क्रिय होकर स्वीकार करने का समर्थन नहीं करते।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में उत्तर इस पंक्ति में महाकाल के कोड़े भीषण गर्मी, लू और जीवन की कठोर परिस्थितियों के प्रतीक हैं। ऐसे समय जर्जर और निष्क्रिय तत्व नष्ट हो जाते हैं, किंतु जिनमें थोड़ी भी जीवनशक्ति, विकास की आकांक्षा और संघर्ष का साहस है, वे टिके रहते हैं। शिरीष विपरीत परिस्थितियों में भी खिलकर मनुष्य को जिजीविषा और निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

चरण 4: निष्कर्ष पंक्ति प्रतिकूल परिस्थितियों में भी जीवंत, संघर्षशील और विकासोन्मुख बने रहने का संदेश देती है।

त्वरित सुझाव: महाकाल, कोड़े और ऊर्ध्वमुखी प्राणकण के प्रतीकार्थ समझाकर उन्हें शिरीष की जिजीविषा से जोड़िए।

13(क). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

'मेरी कल्पना का आदर्श समाज' के आधार पर लिखिए कि जाति प्रथा के पोषक लोगों को किस प्रकार की स्वतंत्रता देने के पक्ष में हैं और किस प्रकार की नहीं। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- आंबेडकर स्वतंत्रता को जीवन, संपत्ति और व्यवसाय के चुनाव से जोड़कर देखते हैं।
- जाति आधारित पेशे की बाध्यता व्यक्ति की क्षमता और रुचि के विकास में बाधा है।

चरण 1: स्वीकृत स्वतंत्रता बताइए जाति प्रथा के समर्थक जीवन की सुरक्षा और स्वतंत्र आवागमन जैसे अधिकारों का विरोध नहीं करते। संपत्ति रखने तथा जीविका के लिए आवश्यक साधन जुटाने की स्वतंत्रता भी उन्हें स्वीकार है। प्रश्न में इसी स्वीकृति की तुलना पेशा चुनने की स्वतंत्रता के प्रति उनके विरोध से करनी है।

चरण 2: लगभग 40 शब्दों में उत्तर जाति प्रथा के पोषक जीवन की सुरक्षा, स्वतंत्र आवागमन, संपत्ति रखने और जीविका के साधन जुटाने की स्वतंत्रता स्वीकार करते हैं। किंतु वे व्यक्ति को अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता नहीं देना चाहते; पेशा जन्म से निर्धारित रखना चाहते हैं।

चरण 3: निष्कर्ष वे सामान्य नागरिक स्वतंत्रताएँ स्वीकार करते हैं, लेकिन व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता का विरोध करते हैं।

त्वरित सुझाव: स्वीकृत अधिकारों और निषिद्ध व्यवसाय चयन को अलग-अलग स्पष्ट करके विरोधाभास दिखाइए।

13(ख). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

'प्रकृति भी जैसे गाँव वालों के दुख से दुखी थी।' 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- कहानी में प्राकृतिक वातावरण गाँव के शोक और भय को गहरा करता है।
- मानवीकरण के माध्यम से प्रकृति को गाँव वालों की पीड़ा का सहभागी दिखाया गया है।

चरण 1: प्रसंग और वातावरण पहचानिए गाँव में मलेरिया और हैजे ने लोगों को त्रस्त कर रखा था। रात का अंधकार, सियारों का क्रंदन और पेचक की डरावनी आवाज़ें वातावरण को भयावह बनाती थीं। बाँसों की झुरमुट से आती चूँ-चूँ की ध्वनि और आसपास की निस्तब्धता भी गाँव के दुख को तीव्र करती थी। यह वातावरण मनुष्य की असहायता भी प्रकट करता है। इन संकेतों के आधार पर प्रकृति की दुख में सहभागिता स्पष्ट करनी है।

चरण 2: लगभग 40 शब्दों में उत्तर महामारी से पीड़ित गाँव में रात का घना अंधकार और सन्नाटा छाया रहता था। सियारों का क्रंदन, पेचक की डरावनी आवाज़ तथा बाँसों की झुरमुट की चूँ-चूँ शोक बढ़ाती थीं। लगता था कि प्रकृति भी गाँव वालों के दुख में सहभागी है।

चरण 3: निष्कर्ष प्रकृति की उदास और भयावह ध्वनियाँ गाँव के सामूहिक दुख की प्रतिध्वनि बन गई थीं।

त्वरित सुझाव: केवल महामारी का वर्णन न करें; अंधकार, सन्नाटा और प्रकृति की करुण ध्वनियों के उदाहरण जोड़िए।

13(ग). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

'भक्तिन' पाठ के आधार पर लिखिए कि खोटे सिक्कों की टकसाल किसे और क्यों कहा गया है। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- पितृसत्तात्मक दृष्टि में पुत्रियों का अवमूल्यन पाठ के सामाजिक यथार्थ को प्रकट करता है।
- खोटे सिक्कों की टकसाल एक अपमानजनक रूपक है; लेखिका इस भेदभाव को उजागर करती हैं।

चरण 1: रूपक का संदर्भ समझिए टकसाल सिक्के बनाने का स्थान है। भक्तिन के तीन बेटियाँ थीं, जबकि उसकी जिठानियों के पुत्र थे। पुत्रों को महत्त्व देने वाले परिवार में बेटियाँ कमतर समझी जाती थीं। इसी मानसिकता से भक्तिन को खोटे सिक्के उत्पन्न करने वाली टकसाल कहा गया। यह कथन बेटियों के वास्तविक मूल्य का नहीं, परिवार की भेदभावपूर्ण दृष्टि का परिचायक है।

चरण 2: लगभग 40 शब्दों में उत्तर भक्तिन को खोटे सिक्कों की टकसाल कहा गया है, क्योंकि उसने तीन बेटियों को जन्म दिया था। पुत्रों को श्रेष्ठ मानने वाले ससुराल में बेटियाँ खोटे सिक्कों जैसी समझी जाती थीं। यह संबोधन स्त्रियों और बेटियों के प्रति परिवार के भेदभाव को उजागर करता है।

चरण 3: निष्कर्ष पुत्रियों के जन्म के कारण भक्तिन को दिया गया यह संबोधन पितृसत्तात्मक भेदभाव दर्शाता है।

त्वरित सुझाव: भक्तिन का नाम, तीन बेटियों का जन्म और पुत्र-पुत्री का भेदभाव—इन तीन बातों को जोड़िए।